सतना
18 जून 2024 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

ये कोई टीम है...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने शुरू की तैयारी

- महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए नियुक्त किए प्रभारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद केंद्र में सरकार बन चुकी है। इसके बाद अब बीजेपी ने अब राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इस क्रम में पार्टी ने महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रभारी और सहप्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन राज्यों में प्रभारी के रूप में केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के नामों की घोषणा की। पार्टी की तरफ से जारी प्रेसनोट में कहा गया कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगामी विधानसभा चुनाव-महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने महाराष्ट्र के प्रभारी के रूप में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को जिम्मेदारी सौंपी हैं।

जम्मू-कश्मीर के बाद मणिपुर पर ऐक्शन की तैयारी

- अमित शाह ने की हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार शाम एक रिव्यू मीटिंग करने वाले हैं। यह हाइलेवल मीटिंग गृह मंत्रालय के नॉर्थ

ब्लॉक में शाम 4 बजे होगी। इसमें केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो अधिकारियों के साथ मणिपुर के मुख्य सचिव, मणिपुर ष्ठत्रक्क साथ ही सेना और अन्य सुरक्षा बलों के अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। एक दिन पहले ही गृह मंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर हाई लेवल मीटिंग की है।

वोट नहीं दिया, यादव-मुसलमानों का काम नहीं करूंगा

- जेडीयू सांसद बोले-आएं तो चाय, नाश्ता कराकर वापस लौटा दूंगा

सीतामढ़ी (एजेंसी)। बिहार के छ्वष्ठ सांसद देवेश चंद्र ठाकुर लोकसभा चुनाव में कम वोट मिलने से नाराज हैं। उन्होंने सीतामढ़ी सीट से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा, %अब वे यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय, नाश्ता कर वापस चले जाएं।

उन्होंने यह बात सीतामढ़ी में रविवार को आभार यात्रा के दौरान कही। देवेश ने सीतामढ़ी से 51,356 वोटों से ऋछ्वष्ठ के डॉ. अर्जुन राय को हराया है। देवेश को कुल 5,15,719 वोट मिले, जबकि ऋछ्वष्ठ के राय को 4,64,363 वोट मिले हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि देवेश जीत का अंतर कम होने से खफा हैं।

बंगाल में बड़ा रेल हादसा 15 की मौत

- दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराई मालगाड़ी, 60 घायल
- रेलवे ने कहा-गुड्स ट्रेन के ड्राइवर ने रेड सिग्नल की अनदेखी की

दार्जिलिंग (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह 8:55 बजे एक मालगाड़ी ट्रेन ने कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। न्यूज एजेंसी क्क्षञ्ज ने हादसे में 15 लोगों की मौत और 60 के घायल होने की जानकारी दी है।

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और ष्टश्वह्र जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के ष्टक्कक्रह्र कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के मुताबिक,

मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और हृष्ठक्रस्न की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है।

कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक स्त्रक्र कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हो चुकी है। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है। कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) 16 जून को सुबह 8:15 बजे अगरतला से रवाना हुई थी। इसे 17 जून को शाम 7:20 बजे सियालदह पहुंचना था। हादसा न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के करीब रंगापानी में हुआ। ट्रेन रेड सिग्नल की वजह से यहां रुइधासा में रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी।

भारत के पड़ोस में सैन्य अड्डे बनाने की तैयारी में चीन

निशाने पर परमाणु सबमरीन, बड़ा खुलासा, अभियान को किया तेज

चीन की चाल से भारत की चौतरफा घेरेबंदी का पैदा हो गया है खतरा

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी सेना तैयार करने के बाद चीन ने पूरी दुनिया में सैन्य अड्डा बनाने के अभियान को तेज कर दिया है। अमेरिका के चर्चित थिंक टैंक रैंड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने दुनियाभर के देशों के साथ सैन्य बेस का समझौता कर रहा है रखता है। म्यांमार में जारी गृहयुद्ध ने चीन को ऐसा करने का बड़ा मौका दे दिया है। रैंड ने बताया कि पीएलए अमेरिका के पड़ोसी देश क्यूबा से लेकर अफ्रीका तक अपने पैर पसारने की तैयारी में है। शांतिकाल में चीन इन सैन्य अड्डों की मदद से जासूसी, राहत और बचाव कर

ताकि अपनी सेना को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा सके। इससे जहां ताइवान को लेकर अमेरिका को चुनौती देने की तैयारी है, वहीं भारत की चौतरफा घेरेबंदी का खतरा पैदा हो गया है। चीन की नजर कंबोडिया, नामीबिया, इक्वेटोरियल गिनी, यूएई जैसे देशों पर बढ़ गई है। चीन पहले ही अफ्रीका के जिबूती में नेवल बेस और ताजिकिस्तान के अंदर एक पैरा मिलिट्री बेस चला रहा है। वहीं भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार में भी चीन नेवल बेस बनाने का इरादा सकता है, वहीं युद्ध काल में इसके इस्तेमाल को लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि चीन को विदेश में इन सैन्य अड्डों को बनाने और उन्हें बनाए रखने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें उन देशों की राजनीतिक विश्वसनीयता, लॉजिस्टिकल सपोर्ट और सैन्य अड्डे की सुरक्षा भी शामिल है। इस बीच चीन की इस चाल से भारत के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

10 साल से उम्रकैद तक की सजा, 10 करोड़ का जुर्माना

बुलडोजर ऐक्शन भी...यूपी में आ रहा पेपर लीक रोकने का तगड़ा कानून

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पेपर लीक मामलों ने लगातार सरकार की परेशानी बढ़ाई है। युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ और इससे उनमें पनपते आक्रोश को देखते हुए सरकार का ध्यान इस गंभीर चिंता पर गया है। इस समस्या को दूर करने के लिए योगी सरकार अब कड़े कानून लाने जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर युवाओं से कहा है कि यूपी में होने वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए जल्द ही नया कानून लाने जा रहे हैं।

किसी भी कीमत पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे। दरअसल, यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले हुए सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला खासा गरमाया था। अब

सीएम योगी ने कहा है कि युवाओं के खिलाफ काम करने वाले नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई होगी। अगर वे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे तो हम भी उनके साथ कोई नरमी नहीं बरतेंगे। गृह और न्याय एवं कानून विभाग को भी संभालने वाले सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि नकल रोधी कानून का प्रारूप तैयार हो रहा है। यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा में करीब 40 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक केस ने विपक्ष को एक मौका दे दिया। सरकार को घेर लिया गया। भाजपा की लोकसभा चुनाव में यूपी में करारी हार के बाद समीक्षा बैठक में युवाओं की नाराजगी का मुद्दा सामने आया है।

झारखंड के चाईबासा में नक्सलियों से मुठभेड़

10 लाख रुपए के ईनामी समेत चार खूंखार ढेर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा जिले में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सलवादी एनकाउंटर में मारे गए हैं। इनमें एक महिला भी शामिल है। चाईबासा के एसपी आशुतोष शेखर ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। इतना ही नहीं दो नक्सलियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। इलाके से भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद कर लिया गया है। मारे गए चारों नक्सलियों पर सरकार ने इनाम की घोषणा की थी। इनमें 10 लाख का इनामी जोनल कमांडर सिंगराई उर्फ मनोज, 5 लाख का इनामी सबजोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ दिरशुम, 2 लाख का इनामी एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम शामिल हैं। इसके

अलावा मृत महिला नक्सली का नाम जंगा पूर्ति उर्फ मारला बताया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पेरू के जंगलों में नक्सलियों के इकट्ठा होने की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों और पुलिस की एक टीम जॉइंट गश्त पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अचानक उन पर फायरिंग शुरू कर दी। जवान भी पीछे नहीं हटे और पोजीशन लेकर मुंहतोड़ जवाब दिया। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ में मौके से चार नक्सलियों के शव बरामद किए गए।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर

- अरागाम के जंगलों में मुठभेड़ जारी, रियासी में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए

बांदीपोरा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सोमवार (17 जून) सुबह सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। यहां 2 से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश की जा रही है। अरागाम के जंगलों में रविवार (16 जून) को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की। सोमवार सुबह तलाशी तेज की गई तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए आतंकवादी का शव जंगल में पड़ा हुआ है। उसे ड्रोन से देखा गया। हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इधर, 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच हृढ्ढ को सौंप दी गई है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद इस केस में नई स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। 16 जून को ही गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। जिसमें उन्होंने निर्देश दिया था कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। 9 जून के बाद से चार आतंकी हमले हो चुके जम्मू कश्मीर में 9 जून से रियासी, कठुआ और डोडा में चार स्थानों पर आतंकवादी हमले हो चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज पर हुआ ट्रेन का ट्रायल

- यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, संगलदान-रियासी के बीच 30 जून से चलेगी पहली ट्रेन

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बताया कि जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से होकर गुजरेगी, जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा स्टील आर्च ब्रिज है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सफल परीक्षण की जानकारी दी। चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को

चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक संगलदान से रियासी रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन के सफल परीक्षण के बाद इस रूट पर पहली ट्रेन 30 जून को ऑपरेट करेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक (SBRL) प्रोजेक्ट के तहत सभी निर्माण कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। टनल नंबर 1 का निर्माण थोड़ा बाकी है।

मोदी 3.0 के पहले बजट में टैक्सपेयर्स को मिलेगी गुड न्यूज!

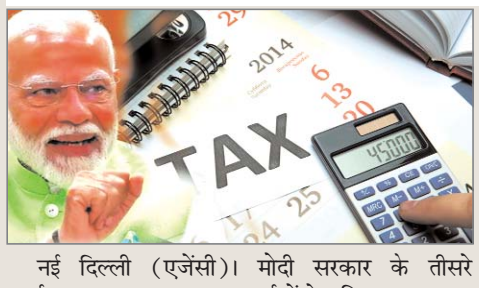

- सरकार मिडिल क्लास को दे सकती है इनकम टैक्स में राहत
- डिस्पोजेबल इनकम बढ़ने से देश में खपत को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट जुलाई में पेश किया जा सकता है। इसमें टैक्सपेयर्स को गुड न्यूज मिल सकती है। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिनों में बजट-पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू कर सकती है। इस बीच इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार इनकम टैक्स रेट में कटौती पर विचार कर सकती है। अधिकारियों का कहना है कि इससे लोगों के पास खर्च करने योग्य आय यानी डिस्पोजेबल इनकम बढ़ेगी। इस तरह की इनकम बढ़ने से खपत बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। माना जा रहा है कि सरकार मौजूदा इनकम टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाने पर विचार कर सकती है। खासकर लोअर इनकम लेवल पर टैक्स रेट में कटौती की जा सकती है। अधिकारियों का कहना है कि डिमांड को रिवाइव करने के लिए खपत बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए टैक्स स्ट्रक्चर को व्यावहारिक बनाया जाएगा। इससे लोगों के हाथों में ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आएगी और खपत में इजाफा होगा, आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और सरकार का जीएसटी कलेक्शन बढ़ेगा।

अभी नए टैक्स सिस्टम में तीन लाख रुपये से अधिक इनकम पर पांच फीसदी टैक्स का प्रावधान है। इसी तरह 15 लाख रुपये से अधिक की इनकम पर 30 फीसदी टैक्स लगता है। इस तरह इनकम के पांच गुना बढ़ने पर टैक्स रेट छह गुना बढ़ जाता है।

कांग्रेस बोली- संसद परिसर में प्रेरणा स्थल का उद्घाटन मनमानी

स्वतंत्रता सेनानियों की अलग-अलग रखीं मूर्तियां यहां एक साथ लगाई गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा अध्यक्ष और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को संसद परिसर में प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। प्रेरणा स्थल में सभी राष्ट्रीय प्रतीकों और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां एक साथ रखी गई हैं, जो पहले परिसर में अलग-अलग जगह रखी हुई थीं। कांग्रेस ने इस कदम को सरकार की मनमानी बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि परिसर में लगी मूर्तियों को उनकी जगह से हटाकर दूसरी जगह लगाने का फैसला सरकार ने बिना किसी से पूछे लिया है। ऐसा करना संसद के नियमों और परंपराओं के खिलाफ है। यह लोकतंत्र का उल्लंघन है। लोकसभा सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पहले मूर्तियां पूरे परिसर में अलग-अलग जगह लगी हुई थीं, जिससे पर्यटक उन्हें ठीक से देख नहीं पाते थे।

भोपाल की यूबी सिटी में देर रात घुसे चार बदमाश

कॉलोनी में वारदात की रैकी करते हुए कैमरे में हुए कैद, रहवासियों ने पुलिस को सौंपे फुटेज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के कोलार रोड स्थित यूबी सिटी कॉलोनी में रविवार रात को चार नकाबपोश बदमाश देखे गए। इससे कॉलोनी में दहशत का माहौल है। बदमाश रात करीब 2.30 बजे कॉलोनी में दाखिल हुए और काफी देर तक घूमते रहे।

कॉलोनी में बदमाशों का मूवमेंट सोसायटी में लगे सीसीटीवी में कैद हुआ है। बदमाशों के मूवमेंट की शिकायत यूबी सिटी सोसायटी ने कोलार पुलिस से की है। साथ ही कॉलोनी में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

यूबी सिटी के रहवासियों की शिकायत के मुताबिक कॉलोनी में घुसे बदमाश हथियारों से लैस थे। सभी ने अपने चेहरों को कपड़े से ढका हुआ था। इसके चलते देर रात कॉलोनी में दाखिल हुए बदमाशों की पहचान नहीं हो सकी है। लेकिन, कैमरे में कैद बदमाशों के मूवमेंट के फुटेज में वह वारदात से पहले रैकी करते हुए दिख रहे हैं। इसके चलते अगले कुछ दिन में नकाबपोश बदमाशों द्वारा कॉलोनी में बड़ी घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका बनी हुई है।

रहवासियों ने कॉलोनी में संदिग्ध लोगों के मूवमेंट को रोकने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग कोलार पुलिस से की है। साथ ही पिछले दिनों कॉलोनी के नजदीक स्थित कवर्ड कैंपस इंग्लिश विला में चोरी की घटना का जिक्र किया है।

इसके साथ ही इंग्लिश विला में हुई वारदात में शामिल घटना में कॉलोनी में देखे गए बदमाशों की भूमिका होने का शक जताया है।

फुटेज मिले हैं, जांच कर रहे हैं: कोलार पुलिस ने बताया कि यूबी सिटी के रहवासियों ने कॉलोनी में 16 जून की रात दाखिल हुए बदमाशों के फुटेज सौंपे हैं। फुटेज में दिख रहे बदमाशों की कद काठी और हुलिए के आधार पर जांच कर रहे हैं। इंग्लिश विला में हुई घटना में यूबी सिटी में घुसे नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों की भूमिका थी अथवा नहीं? इसका खुलासा घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हो सकेगा। फिलहाल दोनों घटनाओं के बदमाशों की तलाश पुलिस कर रही है।

पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना कैंसिल, मंत्री विजयवर्गीय ने किया ट्वीट

भोपाल में अब नहीं कटेंगे 29 हजार पेड़

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में 29 हजार पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना सरकार ने कैंसिल कर दी है। सोमवार दोपहर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी है। लिखा- नए भोपाल के पुनर्घनत्वीकरण योजना के पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में मौजूदा वृक्षों को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया है। साथ ही अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं।

ट्वीट से काम नहीं चलेगा, आदेश निकाले सरकार: नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय के ट्वीट के बाद भी आज शाम को होने वाला प्रदर्शन जारी रहेगा। पूर्व पार्षद अमित शर्मा ने कहा कि नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का ट्वीट देखा है। मौखिक तो पहले भी कई बार आश्वासन दिए जा चुके हैं। कल ही पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मौखिक कहा था, लेकिन हमें आदेश चाहिए। सरकार आदेश निकाले। इसके बाद ही हटेंगे। बतादें के इस प्रोजेक्ट के खिलाफ 12 जून से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं।

विधायक ने कहा था- नहीं कटेंगे पेड़: 14 जून को नूतन कॉलेज के सामने हुए प्रदर्शन के दौरान पहुंचे विधायक भगवानदास सबनानी ने भी कहा था कि भोपाल की पहचान तालाब और यहां की हरियाली है। किसी भी हाल में पेड़ नहीं कटेंगे। विधायकों के आवास ऐसे स्थानों पर बनेंगे जहां पेड़ काटने की गुंजाइश नहीं रहे।

इससे पहले 13 जून को शिवाजी नगर एवं तुलसी नगर की महिलाएं प्रदर्शन के दौरान पेड़ों से चिपक गई थीं। महिलाओं ने कहा कि पेड़ काटे जाते हैं तो उग्र प्रदर्शन करेंगे। फिर चाहे सरकार उन्हें जेल में ही क्यों न बंद कर दें। प्लान को सरकार मंजूर न करें।

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा बोले- सरकार आदेश जारी करें: पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने ट्वीट पर लिखा- मंत्री जी ने बताया है कि विधायकों और मंत्रियों के लिए बनाए जा रहे आवासों को शिवाजी नगर एवं तुलसी नगर में नहीं बनाया जाएगा। उनका आभार एवं धन्यवाद। लेकिन, ट्वीट से कुछ नहीं होगा। सरकार आदेश जारी करें, और जहां पर इस प्रोजेक्ट स्थानांतरण कर रही है, वह जगह चिह्नित करें। जनता को बताए कि वहां भी पेड़ों की कटाई नहीं होगी। यह आम जनता की जीत है। भोपाल में कहीं भी इस प्रकार पेड़ कटाई नहीं होने देंगे।

29 हजार पेड़ों को बचाने के लिए आंदोलन: भोपाल में हरियाली बचाने के लिए लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन हुआ। शुक्रवार शाम को करीब 6 बजे बड़ी संख्या में रहवासी नूतन कॉलेज के सामने एकत्रित हुए। 2 घंटे से अधिक समय तक नारेबाजी की, और पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें बचाने का संकल्प लिया। पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे ने कहा- यदि पेड़ काटने की शुरुआत हुई तो एनजीटी जाएंगे। हमने याचिका तैयार कर ली है। वहीं, भाजपा विधायक भगवान दास सबनानी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनका कहना है कि पेड़ लगाए जाएंगे, काटे नहीं जाएंगे।

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, पूर्व पार्षद अमित शर्मा ने कहा कि सरकार मंत्री विधायकों के बंगले बनाकर हरियाली को नष्ट करना चाहती है, जो हम नहीं होने देंगे। लगातार प्रदर्शन करेंगे।

इससे पहले गुरुवार को भी 5 नंबर स्टॉप पर लोगों ने पेड़ों से चिपककर विरोध दर्ज कराया था। बुधवार को भी महिलाएं-बच्चे समेत बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतरे थे। तब महिलाएं तो पेड़ों से चिपक कर भावुक हो गईं थी। कहा था- ये पेड़ हमारे सुख दुख के साक्षी हैं।

तुलसी नगर-शिवाजी नगर इलाके में मंत्री-विधायकों के बंगलों के लिए 29 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाने के प्लान का विरोध किया जा रहा है।

बिना प्रोफाईल पंजीयन के छात्रावास में प्रवेश नहीं

आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तारीख 30 जून

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि जिले में संचालित अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के छात्रावास, आश्रमों का MP TAASC मॉडयूल के माध्यम से संचालन किया जा रहा है। शिक्षण सत्र 2024-2025 में जो छात्र/छात्राऐं छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते है, वे छात्रावास में प्रवेश के पूर्व अपना प्रोफाईल पंजीयन आवश्य कराये। छात्रावास में प्रवेश के लिए प्रोफाईल पंजीयन अनिवार्य है। बिना प्रोफाईल पंजीयन के छात्र/छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2024 निर्धारित की गई है।

जिला संयोजक ने जानकारी दी कि वेवसाईट WWW.Tribal.mp.gov.in पर जाकर नया हितग्राही प्रोफाईल पंजीकरण किया जा सकता है। छात्र/ छात्राऐं जिस छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते है, उस छात्रावास में जाकर निःशुल्क प्रवेश आवेदन फार्म प्राप्त करें एवं पूर्ण भरा हुआ आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ जैसे- जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी, समग्रआई.डी., आधार नं. प्रोफाईल पंजीयन, बैंक खाते की पासबुक, पिछली कक्षा की अंकसूची अन्य प्रवेश पाने वाले छात्रावास में अधीक्षक के पास जमा करा सकते है। छात्रावास/आश्रम में प्रवेश के लिए आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2024 निर्धारित की गई है।

अमन के लिए मांगी दुआ, गले मिल बोले- ईद मुबारक

रिमझिम बारिश के बीच भोपाल में हुई ईद की नमाज, मांगी दुआ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में प्रमुख मस्जिदों में रिमझिम बारिश के बीच नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश-दुनिया में अमन के लिए दुआ की गई। इसके साथ ही ताजुल मसाजिद में फिलिस्तीन और गाजा में शांति के लिए दुआ की गई। इसके बाद शहर काजी और मस्जिदों के इमामों ने खुतबा (उपदेश) दिए।

इस त्योहार को बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, जिलहिज्जा महीने में चांद दिखने पर ईद उल-अजहा (बकरीद) की तारीख तय की जाती है। फिर ईद मनाई जाती है।

नमाज के बाद घरों में जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष डॉ. औसाफ शाहमीरी खुर्रम ने बताया कि अकीदत का यह त्यौहार 3 दिन तक चलता रहेगा।

देर रात तक खरीद-फरोख्त का दौर चलता रहा: कुर्बानी के लिए बकरे की खरीद-फरोख्त के लिए शहर में जगह-जगह अस्थाई बाजार सजे रहे। यहां आसपास के गांवों से ग्रामीण बकरे लेकर पहुंचे। इधर, त्योहार की जरूरत के लिए लोगों का रुख बाजारों की तरफ भी बढ़ा है। शहर के इब्राहिमपुरा, चौक बाजार, नदीम रोड, जहांगीराबाद, लक्ष्मी टाकीज आदि में देर रात तक खरीद-फरोख्त का दौर चलता रहा।

बोहरा समुदाय ने एक दिन पहले मनाई ईद: इससे पहले दाऊदी बोहरा समुदाय ने रविवार को अकीदत का यह त्योहार मनाया। दाउदी बोहरा समुदाय के कमरुद्दीन दाऊदी ने बताया कि ईद उल अजहा के मौके पर राजधानी की मालीखेड़ा, सैफिया रोड, अलीगंज, सईद कॉलोनी आदि जमातखाना में ईद का विशेष खुतबा हुआ।

भोपाल में 17 साल की लड़की ने की आत्महत्या

फंदे से लटका मिला शव, भाई से कहा था- सोने जा रही हूं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की अरेरा कॉलोनी में एक 17 साल की लड़की ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि लड़की को उसके भाई ने कमरे में फांसी पर लटका देखा था। जिसके बाद उसे नेशनल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे घोषित कर दिया। पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हबीबगंज थाना पुलिस के मुताबिक- आरती पटेल (17) अरेरा कॉलोनी के एक बंगले के सरवेंट क्वार्टर में अपने परिवार के साथ रहती थी। पिता छोटे लाल पटेल इसी बंगले में सरवेंट का काम करते हैं। वह अपनी प%ी के साथ इस घर की देखरेख करते हैं। आरती का एक छोटा भाई और एक बड़ी बहन हैं। आरती ने इसी साल 11वीं कक्षा पास की थी।

आराम करने का कहकर कमरे में चली गई थी: पुलिस ने बताया- रविवार दोपहर करीब 3 बजे आरती अपने कमरे में सोने के लिए चली गई थी। भाई से कहा था कि उसे थकान सी लग रही है, और वह कमरे में आराम करने जा रही है। थोड़ी ही देर बाद जब आरती का भाई कमरे में आया तो उसने अपनी बहन को फांसी पर लटका देखा। यह देखने के बाद उसके भाई ने चिल्लाकर अपनी बड़ी बहन को बुलाया। जिसके बाद उसे नेशनल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

माता-पिता सलकनपुर दर्शन करने गए थे: जिस दिन यह घटना हुई उस दिन आरती के माता-पिता सलकनपुर दर्शन करने गए थे। घटना की सूचना मिलते ही वह अस्पताल पहुंच गए थे। आरती के माता-पिता का कहना है कि उनकी बेटी को कोई तकलीफ नहीं थी। वह हमेशा घर में हंसती खेलती रहती थी। हमारा पूरा परिवार मिल-जुलकर रहता था। कभी भी आरती को देखकर एसा नहीं लगा कि वह यह कदम उठाने वाली है।

भोपाल में चार दिन से नहीं दौड़ी सिटी बसें

300 ड्राइवर-कंडक्टर नहीं कर रहे संचालन, पीएफ राशि जमा नहीं होने का विरोध

भोपाल में पिछले 4 दिन से करीब 150 सिटी बसें नहीं दौड़ रही है। प्रोविडेंट फंड की राशि जमा नहीं होने से 300 से ज्यादा ड्राइवर और कंडक्टर नाराज हैं। इसके चलते वे बसों का संचालन नहीं कर रहे हैं। सोमवार को भी ये बसें नहीं चलाई गई। इस कारण कई रूटों पर बसों के लिए यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इधर, भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने संबंधित बस कंपनी को नोटिस दिया है।

मां एसोसिएट की बसों का संचालन 14 जून से ही बंद है। भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटक भोपाल के बैनर तले ड्राइवर और कंडक्टर्स बाग मुगालिया स्थित सिटी बस डिपो में प्रदर्शन भी कर रहे हैं। उनका कहना है कि संबंधित बस कंपनी ने करीब 14 महीने की पीएफ राशि जमा नहीं कराई है।

यह अमानत में खयानत का मामला है। इसलिए तुरंत राशि दी जाए। इसके बाद ही बसें चलाएंगे। इस मामले में बीसीएलएल भी अब कार्रवाई करने के मूड में है। बीसीएलएल ने संबंधित बस कंपनी को नोटिस दिया है। जिसमें राशि जमा नहीं होने की वजह पूछी गई है।

24 रूट पर दौड़ती हैं बसें: भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी एरिया को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी इलाकों में चलती है।

एक दिन में डेढ़ लाख यात्री करते हैं सफर

भोपाल में सिटी बसों में एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इनमें 40% तक यानी, करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल हैं। नौकरीपेशा के अलावा स्टूडेंट्स भी बसों से आना-जाना करते हैं। किराये के रूप में उन्हें न्यूनतम 7 और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं। सभी बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और कैमरे लगे हैं। सफर करते समय कोई भी शिकायत हो तो महिलाएं कॉल सेंटर नंबर- 9752399966 पर संपर्क कर सकती हैं।

श्रीराम विला कॉलोनी में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के खजूरी कलां स्थित श्रीराम विला कॉलोनी के मंदिर में रविवार को श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिसमें आचार्यो द्वारा वैदिक विधि विधान से भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता और शिवलिंग की स्थापना की गई। दो दिवसीय चले इस धार्मिक आयोजन में सभी रहवासियों ने अपना सहयोग दिया।

दो दिवसीय आयोजन में शिवलिंग और श्रीराम दरबार का सर्वप्रथम दूध, दही, शहद, पंचामृत आदि से अभिषेक किया गया। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान की स्थापना की गई। इसके पश्चात हवन और महाआरती की गई। सामूहिक हवन में कॉलोनी के कई जोड़े शामिल हुए। आरती के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया।

किसानों को कृषि योजनाओं के लिए एमपी किसान पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कृषि विभाग की विभिन्न योजना अंतर्गत बीज,सिंचाई यंत्र एवं आदान सामग्री का लाभ लेने के लिए जिले के कृषक किसान पोर्टल "एमपी किसान" पर ऑनलाइन पंजीयन करायें। पंजीयन के लिए बेब ब्राउजर पर kisan.mp.gov.in वेबसाइट के माध्यम से स्वंय या नजदीकी एमपीऑनलाइन पर जाकर आवेदन करें। जिले के किसान भाई, कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए वेब ब्राउजर पर जाकर kisan.mp.gov.in यूआरएल के माध्यम से कृषक भाई स्वंय ही पंजीयन कर सकते हैं। किसान पोर्टल पर जाने के लिये दिए गए यूआरएल kisan.mp.gov.in वेब ब्राउजर पर अंकित करें। कृषि योजना मे पंजीयन करने के लिये कृषि योजना के लिये पंजीयन पर क्लिक करें।

कृषि योजना के लिये पंजीयन करे, लिंक पर क्लिक करने बाद नए टैब मे पंजीयन पेज ओपन हो जाता है तथा पंजीयन के लिए जरूरी दस्तावेज जो संलग्न होने की जानकारी दी जाती है जैसे कृषक का आधार कार्ड, कृषक की भूमि से सम्बंधित जानकारी, कृषक की समग्र आई.डी, कृषक का जाति प्रमाण - पत्र यदि आवेदक अनु.जाति,अनु.जनजाति का हो तो जानकारी ध्यान पूर्वक पढ़े और आगे बढ़े बटन पर क्लिक करने के बाद, किसान पंजीयन फार्म प्रदर्शित हो जाता है जहां दो ऑप्शन प्रदर्शित होते है। आधार नंबर द्वारा पंजीयन अथवा भू-अभिलेख द्वारा पंजीयन करें आप्शन में से किसी एक ऑप्शन के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। अथवा नजदीकी एमपी ऑनलाईन पर जाकर भी अपना पंजीयन, आवेदन करा सकते है। इस वर्ष कृषि विभाग के ऑनलाईन पोर्टल एमपी किसान पर अपने आवेदन का पंजीयन उपरान्त ही कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। कृषक बन्धुओं से अपील की जाती है कि ऑनलाईन पोर्टल एमपी किसान पर अपना आवेदन पंजीयन करायें।

बघोर में कार्यक्रम आयोजित

जल संरक्षण एवं संवर्धन को बनाए जनआंदोलन : सांसद डॉ राजेश मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत सिहावल के ग्राम पंचायत बघोर में तालाब के गहरीकरण में श्रमदान, साफ सफाई अभियान सहित जन समस्या निवारण शिविर का प्रारंभ नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा एवं विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा ग्रामवासियों से अपील की गई कि जल संरक्षण एवं संवर्धन के इस अभियान को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है। गंगा दशहरा के दिन इस अभियान का समापन नहीं हुआ है बल्कि जनआंदोलन की शुरुआत हुई है। सांसद ने कहा कि यह अभियान प्रकृति के साथ लोगों का जुड़ाव बढ़ाने का अभियान है। प्रकृति ने सदैव हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति की है। हमारी भी यह जिम्मेदारी है कि इसके संरक्षण और संवर्धन में हम बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी करें। उन्होंने कहा कि अगर आज जल का संरक्षण नहीं किया गया तो आगामी भविष्य में इसके भयंकर दुष्परिणाम होंगे और संभवत: तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए हो सकता है। इसके लिए आज से ही हम जल संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाएं। साथ ही साथ अपने आस-पास पौधरोपण भी करें। सांसद द्वारा उपस्थित जनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलवाई गई।

सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को सरलता से मिले, इस दिशा ने जनसमस्या निवारण शिविर एक अच्छी पहल है। शिविर में प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण कर संबंधित को सूचित करें और यह प्रयास करें कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले। सांसद ने कहा कि प्रायरू यह देखने में आता है कि छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर लोग भटकते रहते हैं और सही जानकारी न होने के कारण उनका काम समय से नहीं हो पता। सभी अधिकारी कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर लोगों की समस्याओं का निराकरण करें।

विधायक सिहावल पाठक ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे समाज में नदियों तालाबों की महत्ता रही है। हमारी प्राचीन सभ्यताएं नदियों के किनारे बसतीं थीं जो इस बात का प्रमाण है। विधायक ने ग्राम बघोर को इस क्षेत्र का सबसे पहले का आबाद एवं बसाहट वाला गांव बताते हुए कहा कि यह गांव पूर्व से ही जल संसाधन के दृष्टि से समृद्ध रहा है। वर्तमान में जो जल संकट है उसे तालाब की गाद निकाल, कुओं की साफ सफाई एवं मरम्मत कर तथा अन्य उपलब्ध जल स्त्रोंतो के जीर्णोद्धार से वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए समुचित जल तथा स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध करा पाएंगे। विधायक ने हैंडपंप के पास सोखता गड्ढा बनाने तथा किसानों के खेतों में मेंढ़ बंधान कराने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि वर्षा के जल को ज्यादा से ज्यादा संचित कर भू-जल स्तर में वृद्धि की जाये। यह कार्यक्रम जनभागीदारी के साथ होना चाहिए सिर्फ शासन के द्वारा ही प्रयास करने से सफलता नहीं मिलेगी। कार्यक्रम में सभी की सहभागिता होनी चाहिए जिससे यह कार्यक्रम सफल हो सके।

आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर राजेश शाही, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शैलेश पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी/कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिना ड्रग लाइसेंस के झोलाछाप कर रहें दवाओं का भंडारण व विक्रय

जबाबदेहों की मूक स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में इन दिनो गांव-गांव में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। चाय की गुमटियों जैसी दुकानो में झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। मरीज चाहे उल्टी, दस्त, खांसी, बुखार से पीड़ित हो या फिर अन्य कोई बीमारी से सभी बीमारियों का इलाज यह झोलाछाप डॉक्टर करने को तैयार हो जाते हैं। खास बात यह है कि अधिकतर झोलाछापो के सबंध कार्रवाई करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों से भी हैं। शायद इसी प्रेम व आपसी संबध के चलते इन पर विधिक कार्रवाई की गाज कभी भी नही गिरती है। जिसके चलते ये पूरी तरह से मनमानी पर उतारू हैं। जिसका एक सबसे बड़ा प्रमाण तो यह है कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कई ऐसी दवाओं को चिहिंत किया गया है जिसका प्रयोग केवल चिकित्सकीय परामर्श एवं लिखने के बाद ही किया जा सकता है किन्तु ये झोलाछाप इन दवाओं का उपयोग धडल्ले से करते हुए मरीजों की जान से खिलवाड़ करते नजर आ रहे हैं।

झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा बिना पंजीयन के एलोपैथी चिकित्सा व्यवसाय ही नहीं किया जा रहा है। बल्कि बिना ड्रग लाइसेंस के दवाओं का भंडारण व विक्रय भी अवैध रूप से किया जा रहा है। दुकानों के भीतर कार्टून में दवाओं का अवैध तरीके से भंडारण रहता है। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई सालों से अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे लोगों के खिलाफकिसी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानें मरीजों से भरी पडी हैं।

स्वास्थ्य विभाग नहीं करता कार्रवाई : झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से अब तक कई लोगों की असमय जान जा चुकी है। लेकिन अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने स्थाई तौर पर झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं की। कई बार लिखित शिकायत के बाद जिला प्रशासन हरकत में तो आ चुका है किन्तु औचक निरीक्षण की सूचना झोलाछापो तक पहले से पहुँच जाती है। जिसके चलते सभी अपनी दुकानो में ताला लगाकार फरार हो जाते हैं।

केस बिगड़ने पर मरीज को अस्पताल कर देते रेफर: बीते कुछ वर्षों से फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टरों की वृद्धि हुई है। ग्रामीण क्षेत्र में कोई मात्र फर्स्ट एड के डिग्रीधारी हैं तो कोई अपने आप को बवासीर या दंत चिकित्सक बता रहा है लेकिन इनके निजी क्लीनिकों में लगभग सभी गंभीर बीमारियों का इलाज धडल्ले से किया जा रहा है। कुछ डॉक्टरों ने तो अपनी क्लिनिक में ही ब्लड जांच, यूरीन जांच इत्यादि की सुविधा भी कर रखी है।

सामान्यत: देखने में आता है कि जब मरीज की जान खतरे में आ जाती है तो ये सीधे जिला मुख्यालय की ओर रेफर कर देते हैं। जहॉ से औपचारिकता पूरी करते ही जिला चिकित्सालय के चिकित्सक भी मरीज को रीवा रेफर कर अपने दायित्वों से इतिश्री कर लेते हैं।

शिक्षक संघ ने स्वागत कर रखी मांग, सांसद ने निराकरण हेतु किया आश्वस्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित लोकप्रिय सांसद डॉ.राजेश मिश्रा का आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं प्रांतीय सचिव हरीश मिश्र, प्रांतीय उपाध्यक्ष विजय तिवारी, प्रांतीय संगठन मंत्री शिवकरण सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, जिला संयोजक डॉ राजेश पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष महेश प्रजापति के नेतृत्व में जिला सचिव संतोष प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह, ब्लाक अध्यक्ष सीधी सुखधाम सिंह, फणीन्द्रशेखर पाण्डेय सहित जिले भर के सैकड़ों अध्यापक शिक्षक साथियों के साथ स्वागत अभिनन्दन किया गया तत्पश्चात सांसद डॉ.मिश्रा ने आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षक साथियों से पारिवारिक रिश्ता बताते हुए सभी से कुशलक्षेम जाना। पदाधिकारियों ने अध्यापक शिक्षक संवर्ग की जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समस्याओं से भी सांसद को अवगत कराया गया। जिन्हें शपथ ग्रहण कार्यक्रम एवं दिल्ली से वापसी के बाद अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया। सांसद ने पदाधिकारियों से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उनके गुणात्मक विकास कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग की अपेक्षा करते हुए अध्यापक शिक्षक संवर्ग के सभी समस्याओं के निराकरण हेतु आश्वस्त किया।

पुलिस ने एडवाइजरी की जारी -

सूखे या कम पानी वाले कुएं में उतरना हो सकता है घातक : डॉ.रविन्द्र वर्मा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। डॉ.रविंद्र वर्मा पुलिस अधीक्षक द्वारा जनहित में एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि प्राय: देखने में आ रहा है कि सूखे कुएं या कम पानी होने पर उसकी साफसफाई करने के लिये या फिर मवेशियों के गिरने के कारण उन्हें निकालने के लिये जो लोग कुएं के अंदर जाते है वे बेहोश अथवा हताहत हो जाते है क्यूंकि बंद पड़े कुएं में मिथेन गैस पाई जाती है जो जहरीली होती है। ऐसे में जिलावासियो से अपील है कि बंद पडे कुओ की साफसफाई अथवा यदि कोई भी जीव कूए में गिर जाए तो सबसे पहले हरे पेड़ की टहनी को कुएं में डालें यदि टहनी की पत्तियां मुरझा जाएं तो उसमें जहरीली गैस होगी। इसके साथ ही लालटेन या कोई चीज जलाकर अंदर रस्सी से डालें अगर वह बुझ जाए तो भी समझ जाएं कि गैस जहरीली है। यह गैस कुएं के मध्य में पाई जाती है। इसलिए उस गैस को नष्ट करने के लिए पंप से पानी डालेंए जिससे गैस समाप्त करने के बाद ही उसमें गिरे जीव को निकाला जाता है। एहतियात बड़ी चीज है और किसी भी स्थिति में दिमाग को स्थिर रखकर काम करें। आपकी सजगता ही आपकी सुरक्षा हैए बिना सोचे समझें या जल्दबाजी में किया गया कार्य घातक हो सकता है।

सभी स्कूलों में आज से तीन दिन तक मनाया जाएगा प्रवेशोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चले हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में 18 से 20 जून तक तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 18 जून को प्रवेशोत्सव के प्रथम दिन स्कूल आने वाले विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों का स्वागत किया जाएगा। साथ ही शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उनका प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी भी किसी एक शाला में प्रवेशोत्सव में शामिल होंगे। सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का आयोजन किया जाएगा।

प्रवेशोत्सव के दूसरे दिन 19 जून को स्कूल में शिक्षकों द्वारा अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थी के अभिभावकों से सुझाव लेकर कक्षावार तथा विषयवार शैक्षणिक कैलेण्डर तैयार किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इसी दिन शाला में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों को निरूशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण कराया जाएगा। प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन 20 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जिले के जनप्रतिनिधि विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्ति, अधिकारी, समाजसेवी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा गणमान्य नागरिक स्वयं द्वारा चुनी गई शाला में जाकर विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन देंगे। इन्हें शाला चयन के लिए ऑनलाइन लिंक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शाला में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित उपयोगी सामग्री भेंट भी कर सकते हैं। जिले के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की किसी एक शाला में ड्यूटी लगाई गई है जिसमें उन्हें विद्यार्थियों को पढ़ाना होगा। तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव का मुख्य उद्देश्य शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करना है।

19 जून को मनाया जाएगा विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आई जे गुप्ता ने बताया कि 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर महामहिम उपराष्ट्रपति तथा राज्यपाल महोदय का कार्यक्रम डिंडोरी जिले में आयोजित किया जा रहा है। जिसका लाइव प्रसारण का आयोजन जिले में सुबह 10 बजे से संजय गांधी कॉलेज के अटल ऑडिटोरियम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जनमानस को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर ही सिकल सेल एनीमिया की जांच तथा मेडिकल बोर्ड के द्वारा प्रमाण पत्र भी बनाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि सिकल सेल एनीमिया वंशानुगत रक्त विकार के रोग का एक रूप है इसमें लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है जो रक्त प्रवाह को अवरुद्ध करती हैं। शुरुआती पहचान और नए उपचारों की बदौलत सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित लगभग आधे लोगों का जीवन बचाया जाना संभव हो पाया है। यह बीमारी पीड़ित लोगों को उनके जैविक माता.पिता से विरासत में मिलती है। इसमें सामान्य लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने में मदद करने वाला जीन बदल जाता है। जिन लोगों को दोनों जैविक माता.पिता से यह जीन विरासत में मिलता है उनमें सिकल सेल एनीमिया होता है जिन लोगों को एक जैविक माता.पिता से यह जीन विरासत में मिलता है उनमें सिकल सेल विशेषता होती है। डॉ0 गुप्ता ने यह भी बताया कि लोगो में सिकल सेल रोग या सिकल एनीमिया के बिना भी सिकल सेल विशेषता हो सकती हैए रक्त परीक्षण करवा कर ही सिकल सेल एनीमिया का पता लगाया जा सकता है।

पीएम किसान उत्सव का आयोजन 18 जून को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त का वितरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 18 जुन को वाराणसी उत्तरप्रदेश राज्य से किया जाना है। 17वीं किस्त वितरण दिवस को ''पीएमकिसान उत्सव'' के रूप में मनाया जाना है। कार्यक्रम के प्रभावी प्रसारण के संबंध में कार्यवाही की जानी है। अपर कलेक्टर ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त वितरण को पी.एम.किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाना सुनिश्चित करेंगें।

उन्होने निर्देशित किया है कि कार्यक्रम में सांसदगण, विधायकगण सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जिला एवं ब्लाक स्तर पर विधिवत आमंत्रित किया जाये एवं प्रोजेक्टर या बड़ी स्क्रीन के माध्यम से प्रसारण किया जाये। जिले की ग्राम पंचायत में कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था कर कार्यक्रम का प्रसारण किया जाये। सभी पटवारी इस कार्यक्रम से वर्चुअली सम्मिलित होंगे एवं हल्का, ग्राम अंतर्गत सभी कृषकों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करेंगे। साथ ही पीएमकिसान में ई-केवायसी, आधार खाता लिंकिग एवं लैंड लिंकिग का अवलोकन करने संबंधी जानकारी कृषकों को प्रदान करेंगें। अधिक से अधिक कृषकों का पंजीयन प्लेटफार्म माईजीओव्ही के माध्यम से कराया जाकर कार्यक्रम से लाईव जुड़ने हेतु अवगत कराया जाये तथा कार्यक्रम में जुड़ने हेतु वीडियों कान्फ्रेंसिंग लिंक का उपयोग करना सुनिश्चित किया जाये।

जल स्त्रोतों को बचाना है जरूरी : डॉ.अनूप

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के द्वारा कपुरी कोठार भरतपुर में प्रदेश सरकार द्वारा चलायें जा रहे प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य समापन जिले के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अनूप मिश्रा, राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय, जनपद उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा, जनपद सदस्य भरतपुर सीमा पाण्डेय, अरूण शेखर त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन राजीव तिवारी, संविदाकार सुनील सिंह सीएस, कपुरी सरपंच रामकली कोल, समाजसेवी अखिलेश पाण्डेय, आदित्य सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पानी के देवता वरुण देव की पूजा एवं गंगा आरती भी की गई। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत समाजसेवी डॉ. अनूप मिश्रा के द्वारा बजरंग वाटिका में पौधारोपण के साथ किया गया। तदोपरांत जिला पंचायत से स्वीकृत पिचिंग, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन से स्वीकृत रिटर्निंग बाल एवं ग्राम पंचायत से स्वीकृत पेव्हर ब्लॉक आदि निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी अतिथियों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान पर बघेली लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. अनूप मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाया गया जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की दिशा में कारगर सिद्ध होगा।

पेरोल जम्प करने वाले आजीवन कारावास से दण्डित आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये गये आपराधियो की धर.पकड अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविंद्र वर्मा के कुशल निर्देशन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय द्वारा पैरोल का उल्लघंन करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर वर्ष 2014 मे थाना कोतवाली सीधी मे दर्ज अपराध क्र. 648/2014 धारा 364, 302, 201, 34 भादवि मे आरोपीगण सज्जन सिह एवं अन्य 3 को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उपरोक्त अपराध के आरोपी केन्द्रीय जेल रीवा मे निरूद्ध होकर अपनी सजा काट रहे हैं।

उक्त आरोपियों मे से आरोपी सज्जन सिह पिता थानेदार सिह निवासी कमर्जी व्दारा पैरोल का लाभ प्राप्त किया गया एवं फरवरी 2023 मे पैरोल पर आया तथा पैरोल की अवधि समाप्त होने पर भी वापस केन्द्रीय जेल रीवा नही पहुचा और फरार हो गया जिस पर केन्द्रीय जेल रीवा के द्वारा थाना अमहिया जिला रीवा मे आरोपी सज्जन सिह के विरूद्ध पैरोल जंप करने पर अपराध पंजीवद्ध किया गया एवं आरोपी की तलाश की जा रही थी जो गत रात्रि मे मुखविर सूचना पर से पैरोल जंप के आरोपी सज्जन सिह को थाना कोतवाली सीधी पुलिस द्वारा अभिरक्षा मे लिया गया एवं थाना अमहिया रीवा को सूचित कर सुपुर्द किया गया ।

विचार

आर्थिक विकास के दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2023-24 मजबूत

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा। विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है। वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है। वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है। परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी। वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रांस एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था।

तमिलनाडु के परिणामों ने भाजपा को निराश किया है या भविष्य के लिए नई उम्मीद जगाई

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची। साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों- आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में इस बार दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में काफी चुनाव प्रचार किया था। यही नहीं, चुनावों से पहले भी वह जिस तरह लगातार इन राज्यों का दौरा कर रहे थे उसके चलते भाजपा आलाकमान को विश्वास था कि इस बार दक्षिण में भी खूब कमल खिलेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि केरल में त्रिशूर सीट जीत कर भाजपा ने पहली बार अपना खाता खोल लिया लेकिन तमिलनाडु में वह इस बार भी खाली हाथ ही रही। तमिलनाडु में भाजपा का जो हश्र हुआ है उसके चलते अब पार्टी में अंदरूनी घमासान भी देखने को मिल रहा है। वैसे चुनावों के समय ही यह दिख रहा था कि वहां द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ही सबसे आगे है लेकिन भाजपा के इतने बुरे हाल की कल्पना किसी ने नहीं की थी। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची। साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों- आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी। यह परिणाम दर्शाता है कि भाजपा और उसके गठबंधन दलों का सारा चुनाव प्रचार हवा-हवाई ही था, जमीन पर कुछ था ही नहीं। चुनाव परिणामों के बाद सवाल उठ रहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन तोड़ना और अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कहीं गलत तो नहीं था? इस सवाल को लेकर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अन्नामलाई ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया। इन नेताओं का कहना है कि अगर अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव लड़े होते तो स्थिति कुछ और होती। इन नेताओं का कहना है कि यदि अन्नाद्रमुक साथ होती तो तमिलनाडु में भाजपा का उभार होता तथा भाजपा के पास इस दक्षिणी राज्य से भी लोकसभा सीटें होतीं जिनकी आज बेहद जरूरत है। इन नेताओं का कहना है कि अन्नाद्रमुक से संबंध तोड़ने का फैसला हमारे लिये घातक सिद्ध हुआ है। भाजपा प्रदेश बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रमुख कल्याण रमन ने तो एक्स पर पोस्ट करके अन्नामलाई पर सीधा-सीधा आरोप भी लगा दिया है कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को सही बात नहीं बताई। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने चुनाव का संचालन भी ठीक से नहीं किया और पार्टी का वार रूम सिर्फ अन्नामलाई के इर्दगिर्द माहौल बनाने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, अन्नामलाई की बात करें तो वह लोकसभा चुनाव परिणाम के बारे में यह तो मान रहे हैं कि भाजपा को उम्मीद के मुताबिक मत नहीं मिले लेकिन वह यह भी कह रहे हैं कि अन्नाद्रमुक को राज्य की जनता ने खारिज कर दिया है। उन्होंने 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान भी अन्नाद्रमुक से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। वह कह रहे हैं कि हमसे जहां गलतियां हुई उसकी समीक्षा की जायेगी और यह देखा जायेगा कि पार्टी को कैसे नये सिरे से खड़ा किया जा सकता है। वह अब भी इस बात के पक्षधर हैं कि भाजपा को राज्य में अपने बलबूते ही पैरों पर खड़ा होना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि तमाम एग्जिट पोलों ने भविष्यवाणी की थी कि भाजपा राज्य में कम से कम 2-3 सीटें जीतकर तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश करेगी।

लेकिन चुनाव परिणामों ने दर्शाया है कि द्रविड़ राजनीति वाले राज्य में लोकसभा सीट जीतने का भाजपा का इंतजार और लंबा हो गया है। भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के जरिये तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाने की जो रणनीति बनाई थी वह कामयाब नहीं हो पाई है। अन्नामलाई तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हार गये थे और अब वह कोयम्बटूर से लोकसभा चुनाव भी हार गये हैं। हम आपको बता दें कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य भर में 23 उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी ने 19 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे और शेष चार पर अपने सहयोगियों को कमल के निशान के तहत चुनाव लड़ाया था। लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। हालाँकि, पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में मिले वोट शेयर 3.38 प्रतिशत को इस बार बढ़ाकर 11.24 प्रतिशत कर लिया है जोकि कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन है। कांग्रेस का इस चुनाव में वोट प्रतिशत 10.67 रहा है। माना जा रहा है वोट शेयर में यह उल्लेखनीय वृद्धि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद कर सकती है। इसके अलावा इस चुनाव की खास बात यह है कि 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने अन्नाद्रमुक को तीसरे स्थान पर धकेल दिया है और खुद उपविजेता बनकर उभरी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था। उस दौरान भाजपा को चार विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। भाजपा का 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी जयललिता के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था। उस दौरान 39 लोकसभा सीटों में से अन्नाद्रमुक को 37 और भाजपा तथा उसकी सहयोगी पीएमके को दो सीटें हासिल हुई थीं। बहरहाल, अब देखना होगा कि जब भाजपा तमिलनाडु में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा करेगी तो क्या अन्नामलाई के एकला चलो वाले फैसले के साथ खड़ी रहेगी या गठबंधन के जरिये राज्य में अपनी राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ायेगी।

हिंदी-अंग्रेजी का झगड़ा अब बेमानी

किसी बात की आलोचना करनी हो और इस तरह से करनी हो कि दूसरा पक्ष आहत न हो, तो उसके लिए कोई अच्छा शब्द ढूंढने की जरूरत नहीं है। यहां तक कि इमोजी से पूरे प्रेम पत्र लिखे जा सकते हैं। हम भाषा के संदर्भ में आर्थिक प्रभुत्व की चर्चा करते हैं। अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारोबारों और उत्पादों के साथ भी इमोजी इस्तेमाल होने लगे हैं। ऐपल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, ट्विटर, फेसबुक, एलजी, एचटीसी, बर्गर किंग और पेप्सीको जैसी तमाम कंपनियां इमोजी इस्तेमाल कर रही हैं, और उनके साथ उनके ग्राहक भी। उनके बीच एक नई भाषा विकसित हो रही है। यानी रोमन लिपि और शब्दों की सही वर्तनी का महत्व खत्म! जब भी कोई नई भाषा विकसित होती है, वह पारंपरिक भाषाओं का दायरा संकुचित करती है। समाज में ऐसे कई तरह के छोटे-मोटे संकेत विकसित होते हैं जो समय के साथ प्रचलन से बाहर हो जाते हैं- यह सोच कर हम इमोजी की भाषा को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह लोगों के बीच का भाषिक संवाद बदलने का एक नमूना है। इसके और भी पक्ष हैं। जब हम ऑक्सफोर्ड और वेब्स्टर के शब्दकोशों में सही वर्तनी और हिज्जे ढूंढ रहे होते हैं, तब इंटरनेट पर भेजे जा रहे संदेशों में उन शब्दों के संक्षिप्त रूपों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा होता है। वहां सिर्फ 'आय लव यू' के लिए इलू (आयएलयू) और 'फियर ऑफ मिसिंग यू के लिए फोमू' (एफओएमयू) ही नहीं बन रहा है, एक पूरी शब्दावली विकसित हो रही है, जिसमें बीटुबी (बिजनेस टु बिजनेस), केपीआई (की-परफॉर्मेंस इंडीकेटर), सीपीएम (कॉस्ट पर थाउजैंड) और यूजीसी (यूजर जेनरेटेड कॉन्टेंट)

जैसे प्रयोग भी शामिल हैं। ये नए संक्षिप्त शब्द पहले के अनेक शब्दों से बने पूरे फ्रेज को विस्थापित कर देते हैं। आज सिर्फ दोस्तों की अनौपचारिक मंडली में ही नहीं, कॉर्पोरेट की औपचारिक चिट्ठियों, व्यापारिक पत्राचार और तकनीक की दुनिया में भी इस भाषा में लिखित संवाद हो रहे हैं। इंटरनेट की दुनिया में इन संक्षिप्त रूपों को मान्यता प्राप्त है। इनमें से यदि कोई नवनिर्मित शब्द समझ में न आए तो उसे गूगल कर आसानी से देखा जा सकता है। आज से चार-पांच दशक बाद वाली पीढ़ी के लिए शायद यह जान पाना भी मुश्किल हो कि फोमू किन-किन शब्दों के संक्षेपीकरण से बना है। उसके लिए फोमू ही वह शब्द होगा, जिसके माध्यम से वह अपनी बात कहेगी। फेसबुक पर हर मिनट 50 लाख से ज्यादा लोग अपनी टिप्पणियां पोस्ट करते हैं और 30 लाख से ज्यादा लोग अपना स्टेटस अपडेट करते हैं। इंस्टाग्राम पर प्रति मिनट करोड़ों की तादाद में पोस्ट किए जाते हैं और मोबाइल से पचास लाख से ज्यादा ट्वीट भेजे जाते हैं। इसी एक मिनट में इंटरनेट की दुनिया में डेढ़ लाख से ज्यादा टेक्स्ट का आदान-प्रदान होता है। हिंग्लिश और चिंग्लिश जैसे नए भाषा रूपों ने अंग्रेजी के व्याकरण की अनिवार्यता को काफी संकुचित कर दिया है। यहां तक कि स्वीडन और फिनलैंड जैसे बाल्टिक देशों के लोग भी अपनी भाषाओं के दायरे से बाहर निकल कर जब कभी टूटी-फूटी अंग्रेजी में संवाद करने की कोशिश करते हैं, तो ज्यादातर वह व्याकरण के नियमों से परे ही होती है। हां, लिपि जरूर रोमन बनी हुई है। नई पीढ़ी तक अंग्रेजी की अपनी वर्तनी बचाने के लिए शिक्षक, संस्थाएं और सरकारें जी तोड़ कोशिशें कर रही हैं। इंग्लैंड, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, बहामा, जमैका, गुयाना, दक्षिणी अफ्रीका, यहां तक कि एशियाई देशों में भी युवा छात्रों के लिए स्पेलिंग और हिज्जे की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए ट्रॉफियां दी जा रही हैं। लेकिन शब्दकोश, व्याकरण की पढ़ाई और भाषा संरक्षण के तमाम उपायों के बावजूद अंग्रेजी अपने को संभाल नहीं पा रही है। टेक्नॉलजी और वैश्वीकरण ने आज की सभी भाषाओं की जड़ें हिला दी हैं। भाषाओं के पारंपरिक ढांचे दरकते हुए नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन में युवा छात्रों द्वारा अंग्रेजी शब्दों की सही वर्तनी की उपेक्षा और हिंदुस्तान में निरक्षरों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर आए कॉलर नंबर को उनकी आकृति या विशिष्ट रिंग टोन से पहचानने की प्रवृत्ति को अभी तक हम दो अलग-अलग स्थानीय सामुदायिक व्यवहारों की तरह देख रहे हैं। शायद हम इन दोनों के बीच के संबंध को पहचान नहीं पा रहे। ये वैश्विक स्तर पर बहुत तेजी से अपना साम्राज्य बढ़ा रही अंग्रेजी भाषा के मानक रूप के क्षरण के कुछ उदाहरण हैं। लेकिन हमारे भाषाई व्यवहार में ऐसे और भी कई संकेत देखने को मिल रहे हैं। भाषाएं मरती नहीं, वे अपना रूप बदलती हैं, कुछ अवशेषों के साथ। अंग्रेजी भी अपनी लिपि और कुछ ध्वनियों के साथ दूसरी भाषाओं की तुलना में शायद कुछ ज्यादा लंबे समय तक बनी रहे, लेकिन वह अंग्रेजी यह अंग्रेजी नहीं होगी।

देश को मजबूत सरकार की जरूरत क्यों

जापान, वर्ष 2010 तक करीब 5 दशकों तक संयुक्त राज्य अमरीका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था बना रहा था। फिर वह तीसरे स्थान पर फिसल गया क्योंकि चीन ने दूसरा स्थान हासिल कर लिया और फिर अगले 13 वर्षों के अंतराल में वर्ष 2023 में जापान जी.डी.पी. के मामले में चौथे स्थान पर आ गया क्योंकि जर्मनी ने उसे धकेल कर तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया। दूसरी ओर भारत ने निरंतर विकास की कहानी देखी और काफी नीचे से ऊपर चलते हुए दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और जल्दी ही जापान को 5वें स्थान पर धकेलते हुए चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए भारत तैयार है। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय शिंजो आबे अपनी आक्रामक विदेश नीति और एक विशिष्ट आर्थिक रणनीति के लिए जाने जाते थे, जिसे लोकप्रिय रूप से 'एबेनॉमिक्स' के नाम से जाना जाता है। बेहद लोकप्रिय और बेहद विवादास्पद राजनेता रहे आबे ने लिबरल डैमोक्रेटिक पार्टी (एल.डी.पी.) को 2 बार जीत दिलाई। एबेनॉमिक्स थ्री ऐरोज यानी 'तीन तीरों' पर केन्द्रित था। पहला आक्रामक मौद्रिक नीति, दूसरा राजकोषीय समेकन और तीसरा विकास रणनीति। जबकि पहले 2 से बेहतर परिणाम मिले, लेकिन विकास और आधारभूत परिवर्तनों के पैमाने विफल रहे क्योंकि रणनीतिकारों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि जापानी अर्थव्यवस्था बढ़ती आबादी और बढ़ते सामाजिक कल्याण खर्चों का सामना कर रही है। यहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच सामने आती है। जब उन्होंने जन-धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन किया, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए दर्जनों योजनाएं लांच कीं, युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए स्टार्टअप और कौशल विकास पर जोर दिया तो दरअसल वह लांग टर्म के विकास के लिए नहीं, उन पहलुओं को पहले से ही संबोधित करना चाह रहे थे जहां जापान उतना सफल नहीं हो पाया था।

बिजली गिरने से युवती की मौत, 4 घायल

रायपुर-दुर्ग सहित कई जिलों में बादल पर बारिश नहीं, गर्मी ने बढ़ाई स्कूलों की छुट्टियां

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मानसून के प्रवेश के साथ ही बारिश की आंख-मिचौली जारी है। रायपुर सहित कई जिलों में रोज बादल छाए रहते हैं, लेकिन बिना बरसे ही निकल जाते हैं। सोमवार को भी रायपुर, दुर्ग सहित कई जिलों में सुबह से बदली छाई हुई है। बारिश नहीं होने से गर्मी बढ़ गई है, जिसके चलते स्कूलों में एक हफ्ते छुट्टियां बढ़ा दी गई है। अब स्कूल 26 जून से खुलेंगे।

दूसरी ओर कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से युवती की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए हैं। मौसम विभाग ने आज रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इसके बाद अगले तीन दिनों में प्रदेश के मध्य और दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी।

प्रदेश में मानसून की गतिविधियां कम होने के कारण लगातार गर्मी और उमस बढ़ी हुई है। कई जिलों में तापमान औसत से ज्यादा है। रविवार को पेंड्रा 40.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा यहां दिन का तापमान सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री

नारायणपुर में दर्ज किया गया।

कांकेर- पेड़ पर गिरी बिजली, 1 की मौत, 4 घायल: ग्राम थानाबोड़ी में सोमवार को तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से 1 युवती की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को संजीवनी 108 से नरहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि, सभी लोग हल्बा निवासी हृदय राम की बाड़ी में काम कर रहे थे। इसी दौरान तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी।

सभी लोग पानी से बचने के लिए बाड़ी में लगे पेड़ के नीचे चले गए। तभी पेड़ पर बिजली गिर पड़ी। चपेट में आने से तामेश्वरी सिन्हा की मौके पर मौत हो गई। वहीं बाकी घायल हो गए हैं।

रायपुर में मानसून रायपुर पहुंचने में तीन से पांच दिन का समय: प्रदेश में मानसून 8 जून को बस्तर पहुंचने के बाद पिछले 8 दिनों से सुकमा और बीजापुर में थमा हुआ है। बस्तर से रायपुर पहुंचने में मानसून को तीन से पांच दिन लगना चाहिए। लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि अभी तीन से चार दिन और समय लग सकते हैं।

कोंडागांव में गाज गिरने से एक ही परिवार के 3 घायल: कोकोडी गांव में रविवार तेज बारिश हुई। इसी दौरान गांव के कुशल नेताम के घर के बाहर स्थित महुआ पेड़ पर बिजली गिरी जिससे घर के बाहर बैठे कैलाश नेताम (18), आसमती नेताम (42) वर्ष, कृष्णा नेताम (18) चपेट में आकर घायल हो गए । सभी घायलों को तत्काल निजी वाहन से फरसगांव के अस्पताल में भर्ती किया गया है।

मानसून के जल्द आने का लाभ नहीं मिला: इस साल केरल और छत्तीसगढ़ में मानसून के जल्द पहुंचने का फायदा रायपुर समेत मध्य छत्तीसगढ़ को नहीं मिल पाया। केरल से मानसून को बस्तर पहुंचने में 10 दिन लगते हैं। मानसून के बस्तर में एंट्री की सामान्य तारीख 10 जून है। इस साल 8 जून को ही मानसून वहां पहुंच गया। 10 जून को बीजापुर पहुंचा।

इसके बाद से पिछले छह दिनों से मानसून थम गया। हालांकि ये स्थिति पहली बार नहीं बनी है। इससे पहले बस्तर में आने के बाद मानसून को रायपुर तक की सफर तय करने में हफ्तेभर का वक्त लगता रहा है। सबसे ज्यादा वक्त 2018 में लगा था। उस वर्ष 8 जून को मानसून के बस्तर पहुंचने के बाद रायपुर आने में 18 दिन लग गए थे।

अब तक बंगाल की खाड़ी में मजबूत सिस्टम नहीं: मौसम विज्ञानियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में मुख्य रूप से बारिश की गतिविधियां और मानसून की सक्रियता बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सिस्टम पर निर्भर करता है। इस साल अब तक खाड़ी में कोई मजबूत सिस्टम नहीं बन पाया है।

अरब सागर की ओर से मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। अरब सागर और पश्चिमी भारत में मानसून सक्रिय है। कुछ पूर्वी भारत में भी मानसून सक्रिय हो चुका है। मध्य भारत, पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी हिस्से तथा छत्तीसगढ़ के मध्य और उत्तरी हिस्से में अब तक मानसून पहुंच जाना चाहिए था।

मानसून कमजोर, लेकिन ब्रेक नहीं: मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 8 जून को बस्तर के सुकमा में दाखिल होने के बाद मानसून ने शुरुआती बारिश की है। बस्तर के आसपास वर्षा हुई है, लेकिन पिछले तीन-चार दिनों से मानसूनी गतिविधियां थमी हुई हैं। इसे कमजोर मानसून कहा जा सकता है।

मौसम विज्ञान की भाषा में बारिश के सामान्य से आधा या उससे ज्यादा की कमी कमजोर मानसून की निशानी है। मौसम विज्ञानी डॉ. गायत्री वाणी कांचिभ के अनुसार अगले कुछ दिनों में मानसूनी गतिविधियां सक्रिय होने से छत्तीसगढ़ में बारिश होगी।

दुर्ग में गर्मी से परेशान: दुर्ग जिले में गर्मी से लोगों की हालत खराब है। रविवार को सुबह धूप निकलने के बाद हल्के बादल छाए रहे, लेकिन उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा था। दोपहर में फिर से तेज धूप ने गर्मी को और बढ़ा दिया। रविवार को यहां अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री तो वहीं न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग की माने तो यहां तीन दिन बाद 20 जून को बारिश होने की संभावना है।

बस्तर में बरसेंगे बादल: बस्तर के कई इलाकों में आज बारिश के आसार हैं। रविवार की शाम दंतेवाड़ा में जहां तेज आंधी चली तो वहीं बीजापुर, सुकमा और बस्तर जिले के कई इलाकों में आंधी के साथ तेज झमाझम बारिश हुई है। हालांकि, तामपान में कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं रहा। इधर, 37.8 डिग्री के साथ सुकमा सबसे ज्यादा गर्म रहा।

मौसम विभाग ने रविवार को सुकमा जिले में 37.8 डिग्री, नारायणपुर में 36.1,डिग्री, बीजापुर जिले में 36.3 डिग्री, दंतेवाड़ा में 37.2 डिग्री और बस्तर जिले में 35.2 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया है। वहीं नारायणपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री दर्ज हुआ है। इसके अलावा सुकमा में 36.5 डड और बस्तर जिले में 21.3 डड बारिश दर्ज की गई है।

बिलासपुर में दिन का तापमान लुढ़का: रविवार को सुबह से रिमझिम बारिश और बदली से मौसम खुशनुमा रहा। हालांकि, दोपहर बाद धूप निकलने से उमस बढ़ गया। एक दिन पहले जहां तापमान 14 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, रविवार को बारिश और बादल के चलते तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस पर लुढ़क गया। दिन का तापमान सामान्य से 7.5 डिग्री कम रहा, जिसके चलते मौसम सुहाना हो गया। आज भी यहां बारिश के आसार हैं।

15 जून तक 27 जिलों में औसत से कम बारिश: 1 जून से 15 जून से बारिश के आंकड़ों की बात की जाए तो राज्य के 2 जिलों में सामान्य से अधिक, 4 जिलों में सामान्य और 27 जिलों में औसत से कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 57.6 मिलीमीटर और नारायणपुर में 84 मिली बारिश हुई है, जो सामान्य से अधिक हैं।

वहीं बीजापुर, मुंगेली, रायगढ़, कबीरधाम में सामान्य बारिश और बाकी अन्य जिलों में बारिश सामान्य से भी कम हुई हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सोमवार बारिश की गतिविधियां बढ़ेगी ऐसे में कम वर्षा की भरपाई होने के आसार हैं।

धूमधाम से मनाया जा रहा बकरीद का त्योहार

जामा मस्जिद में लोगों ने अदा की नवाज, भिलाई की सलामती और भाईचारे की मांगी दुआ

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। बकरीद का त्योहार 17 जून को पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। भिलाई के सेक्टर 6 जामा मस्जिद में सुबह से विशेष समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे।

उन्होंने बकरीद की पहली नमाज अता की। इसके बाद एक दूसरे को गले से लगाकर बकरीद की बधाई दी। ईद उल अजहा से ठीक एक दिन पहले रविवार को दुर्ग जिले की सभी 14 मस्जिदों में बकरीद की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। जामा मस्जिद में ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह 8 बजे अता की गई।

भिलाई की सलामती और भाईचारे की दुआ मांगी: वहीं ईदगाह में सुबह 7.30 नवाज अता कर दुर्ग जिले सहित राज्य और देश की खुशहाली की कामना की गई। जामा मस्जिद के मौलाना शान मोहमद असरफी ने इस मौके पर भिलाई की सलामती और भाईचारे की दुआ मांगी। समाज के लोगों ने बताया कि सोमवार से शुरू होने वाले इस त्योहार को बुधवार शाम तक मनाया जाएगा।

हुकूमत की गाइड लाइंस पर जानवरों की कुर्बानी दें: इस मौके पर मस्जिद के शाही ईमान कहा बकरीद त्योहार को हम सभी को मिलजुल कर मनाना चाहिए। त्योहार खुशी मनाने के लिए होते हैं। उससे किसी को तकलीफ हो तो ये बेमानी है। कुर्बानी करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि किसी को उससे तकलीफना हो। हुकूमत की गाइड लाइंस को ध्यान में रखकर ही जानवरों की कुर्बानी दें।

सभी मस्जिदों में सुरक्षा के इंतजाम: बकरीद के त्योहार को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए हैं।

कुदरगढ़ देवी धाम में लगे मेले में लगी आग

2 गैस सिलेंडर फटने से 11 दुकानें जलकर राख, व्यापारियों को लाखों का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रसिद्ध कुदरगढ़ देवी धाम के पास मेले में भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो गैस सिलेंडरों के फटने से 11 दुकानों में आग लग गई, जिससे लाखों का नुकसान हुआ है। पूरा मामला कुदरगढ़ चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक आग की चपेट में आने से दुकानों में रखे खिलौने, फैंसी सामान और एक लूना बाइक जलकर खाक हो गई। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, इस हादसे में 15 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

गैस सिलेंडर फटने से भड़की आग: बताया जा रहा है कि देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास की कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने का कारण

फिलहाल अज्ञात है, लेकिन दो गैस सिलेंडरों के फटने से आग और भी भयंकर हो गई।

प्रतिक्रिया और बचाव कार्य: आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान दुकानों में सो रहे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और घटना की जांच में जुटे हुए हैं।

स्थानीय प्रतिक्रिया: आग लगने के बाद से दुकानदारों के बीच भय का माहौल पैदा कर दिया है। प्रशासन और पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है और जल्द ही घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

साइबर ठगी का नया तरीका

5 रुपए के पुराने नोट के बदले 5 लाख देने का झांसा, लालच में युवक ने 2.21 लाख गंवाए

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में साइबर ठग नए-नए तरीके अपना कर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ठगों ने एक युवक को पांच रुपए के पुराने नोट के बदले 5 लाख रुपए देने का झांसा दिया और 2 लाख 21 हजार रुपए वसूल लिए। अब उसका न्यूड एडिट वीडियों वायरल करने की धमकी देकर और पैसों की डिमांड की जा रही है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, ग्राम छतौना निवासी रोशन धुरी दगौरी स्थित नोवा प्लांट में वेल्डर है। उसने पुलिस को बताया कि एक मई की शाम उसने इंस्टाग्राम पर एक विज्ञापन देखा, जिसमें पांच रुपए के पुराने नोट के बदले पांच लाख 12 हजार रुपए मिलने की जानकारी दी गई थी। इसे वह सही मान लिया और उसके कमेंट बाक्स में जाकर अपनी सहमति दी।

इसके कुछ देर बाद ही उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने पांच रुपए के पुराने नोट का फोटो अपने वॉट्सएप्प पर मंगाया। जिसके बाद उसे कंपनी में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 720 रुपए जमा करने कहा। रोशन ने क्यू आर कोड मंगाकर पेमेंट भी कर दिया।

टैक्स और अलग-अलग बहाने से वसूले 2 लाख रुपए: रोशन धुरी के पैसे देने के करीब पांच दिन बाद उसे बताया गया कि, पांच लाख 21 हजार रुपए लेकर आर्मी का जवान निकल गया है। वह मुंगेली जिले के सरगांव पहुंच गया है। फिर उसके पास दूसरे नंबर से कॉल आया। इस दौरान उससे परमिशन कोड, टैक्स और अन्य बहानों से पैसों की मांग की गई।

साथ ही उसे भरोसा दिलाया कि सभी टैक्स और पैसे उसे बाद में वापस मिल जाएंगे। ठगों में भरोसे में आकर रोशन ने किश्तों में दो लाख रुपए दे दिए।

लगातार पैसों की डिमांड, तब हुआ ठगी का अहसास: इस दौरान 10 मई को उससे एक लाख 25 हजार रुपए की मांग की गई। बार-बार पैसे मांगे जाने पर रोशन धुरी को ठगी का अहसास हुआ। धोखाधड़ी की आशंका पर उसने पैसे देने से मना कर दिया।

न्यूड वीडियों वायरल करने दी धमकी: जिसके बाद ठगों ने रोशन धुरी को झूठे केस में फंसाने और उसका न्यूड एडिट वीडियों वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसों की मांग की। जिससे परेशान होकर उसने चकरभाटा थाने में मामले की शिकायत की। इस पर पुलिस ने ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

17 साल की लड़की ने दुपट्टे से लगाई फांसी

रात कमरे में लटकी मिली, दरवाजा तोड़कर परिजनों ने नीचे उतारा शव

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में 17 साल की लड़की ने अपने घर के कमरे में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। देर रात उसे फंदे पर झूलती देखकर परिजनों ने हथौड़ी से दरवाजा तोड़ा और उसे फंदे से नीचे उतारा। अब तक सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। दरींघाट में रहने वाले दिनेश राव गोमकाड़े ने पुलिस को बताया कि शनिवार

की रात 11.30 बजे वह अपनी भाभी अनिता के घर गया था। वहां पर भोजन के बाद वह बच्चों और अपनी भाभी से बात कर रहा था। उसी समय वह अपने घर जाने के लिए निकल रहा था, तभी दूसरे कमरे की खिड़की से देखा कि उसकी बड़ी भतीजी रिया पंखे पर फांसी के फंदे से लटक रही थी। उसने शोर मचाकर परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी।

हथौड़ी से तोड़ा दरवाजा, नीचे उतारने पर हो गई थी मौत: इस दौरान परिजनों के साथ मिलकर उसने हथौड़ी से दरवाजा तोड़ा और फिर अंदर गए। आनन-फानन में उन्होंने रिया को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

खाना खाने के बाद कमरे में गई थी रिया: रविवार की सुबह पुलिस ने शव का पंचनामा और पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजन को सौंप दिया है। इस दौरान पुलिस की पूछताछ में पता चला रात में रिया खाना खाने के बाद कमरे में गई थी, लेकिन, अचानक क्या हुआ, जिसके चलते उसने फांसी लगा ली। इसकी जानकारी परिजनों को भी नहीं है। पुलिस का कहना है कि, फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजन से पूछताछ व जांच के बाद ही खुदकुशी के कारणों का पता चल सकेगा।

नाबालिग से इंस्टाग्राम में दोस्ती कर 4 महीने तक रेप

कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में नाबालिग लड़की को किडनैप कर रेप के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इंस्टाग्राम से दोस्ती कर नाबालिग को एमपी के इंदौर ले गया था, जहां उसने 4 महीने तक रखा। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, 1 फरवरी 2024 को पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और अज्ञात आरोपी की तलाश में जुट गई।

भगवान कृष्ण की मूर्ति तोड़ी

चौक पर स्थापित मूर्ति का सिर तोड़ा, गुस्साए लोगों का रात तक प्रदर्शन-नारेबाजी, गांव में फोर्स तैनात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर में चौक पर स्थापित भगवान कृष्ण की मूर्ति और गोवर्धन पर्वत को किसी ने रविवार रात खंडित कर दिया। इसके बाद हंगामा हो गया। बड़ी संख्या में लोग रात में ही चौक पर एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर फोर्स तैनात है।

जानकारी के मुताबिक, खरौरा क्षेत्र के फरहदा गांव में चौक पर करीब 15-20 साल से भगवान कृष्ण, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा की मूर्ति

स्थापित है। वहीं पर गोवर्धन पर्वत भी बनाया गया है। इसके चलते चौक को गोवर्धन चौक के नाम से जाना जाता है। भगवान कृष्ण की मूर्ति को किसी ने तोड़ दिया है।

चौक पर ही देर रात तक ग्रामीण करते रहे प्रदर्शन: मूर्ति तोड़े जाने की जानकारी गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। देर रात तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन चलता रहा।

सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करने लगी। इसके बाद भी ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुए और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी होती रही।

गांव में फोर्स तैनात: ग्रामीणों की मांग है कि मूर्ति तोड़ने वालों को पकड़ा जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन खत्म किया। फिलहाल स्थिति को देखते हुए गांव में 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

कई जिलों में ड्रग डिपार्टमेंट की रेड

फूड सप्लीमेंट, मल्टी विटामिन सहित 17 दवाइयों के सैंपल जब्त, नकली-मिलावटी की शिकायत पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर सहित कई जिलों में मेडिकल स्टोर पर सोमवार को फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट की टीम ने छापा मारा। इस दौरान सभी दुकानों से टीम ने सैंपल कलेक्ट किए हैं। बताया जा रहा है कि फूड सप्लिमेंट, मल्टी विटामिन, बेबी फूड जैसे कई प्रोडक्ट में मिलावट और नकली होने की शिकायत मिली थी। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कुछ दिन पहले अफसरों की बैठक ली थी। इसमें कई निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद औषधि विभाग की टीम ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर और सरगुजा संभाग के 19 मेडिकल स्टोर में छापा मारा। वहां से संदेहास्पद दवाओं और फूड सप्लिमेंट के नमूने जब्त किए।

इन बिन्दुओं पर जांच की गई: खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक ने बताया कि गुणवत्ता ,पैकेजिंग एव लेवलिंग, फॉल्स एवं मिस लीडिंग, एडवर्टाइजमेंट, खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की बीएसपी अनुसार विक्रय एवं भंडारण की जांच की गई स साथ ही सभी खाद्य प्रतिष्ठान और मेडिकल स्टोर से अधिकारियों ने जो सैंपल कलेक्ट किए हैं।

इंदौर में फिर गैंगवार, गुंडे को घेरकर मार डाला

पुराने मुकदमे में समझौते के लिए दूसरी गैंग ने मिलने के बहाने बुलाया था

मीडिया ऑडीटर, इंदौर एजेंसी। इंदौर के एरोड्रम इलाके में गैंगवार की बात सामने आई है। जेल से छूटे गुंडे की दूसरी गैंग ने हत्या कर दी। 6 से ज्यादा आरोपियों ने मिलकर उसे मारा। बता दें कि 24 घंटे में हत्या का यह दूसरा मामला है। इससे पहले शनिवार रात भी छत्रीपुरा के अर्जुनपुरा मल्टी में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस ने बताया परिहार कॉलोनी का रहने वाला रोहित पिता जितेंद्र कसेरा कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। उसके खिलाफ नितिन उर्फजॉन यादव के दोस्त पर हमला करने का आरोप था। एरोड्रम थाने पर केस दर्ज है। जेल से छूटने के बाद रोहित ने फरियादी से समझौता का दबाव बनाया था।

इस पर नितिन के दोस्त ने उसे रविवार रात बातचीत के लिए बुलाया। जैसे ही रोहित पहुंचा, वहां 6 से अधिक लोगों ने हथियारों से हमला कर दिया। घटनास्थल से

मृतक

रोहित को बेसुध हालत में अरविंदो हॉस्पिटल लाया गया, यहां मृत घोषित कर दिया गया। आरोपियों की तलाश की जा रही है। अब तक 4 के नाम सामने आए हैं, उसमें आरोपी नितिन यादव शामिल है। पुलिस ने कहा कि रोहित (मृतक) और नितिन की वर्चस्व को लेकर टसल पुरानी है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज हैं। गैंगवार से जुड़ा मामला है।

करीब 6 केस दर्ज थे रोहित पर: पुलिस ने बताया मृत रोहित भी क्रिमिनल पृष्ठभूमि का था। उसके खिलाफभी 6 से ज्यादा केस दर्ज थे। उसकी हत्या नितिन यादव उर्फजॉन निवासी भोलेनाथ कॉलोनी का नाम आया है। कुछ दिनों पहले नितिन के दोस्त और रोहित में विवाद हुआ था। उसके बाद से दोनों ग्रुप में तनातनी थी। मामले में राजनीतिक संरक्षण की बात सामने आई है।

रविवार रात रोहित की हत्या में छह से ज्यादा लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, पुलिस अभी 4 बता रही है।

हनी ट्रेप में शामिल रह चुका है हत्या का आरोपी: रोहित हत्याकांड में शामिल आरोपी नितिन उर्फजॉन पर पूर्व में हनी ट्रेप का केस भी दर्ज हो चुका है। उसमें एक बिल्डर को फंसाया गया था। इसी केस में एक युवती के सुसाइड में भी उसका नाम जुड़ चुका है। सुसाइड नोट में जॉन का नाम था। अब पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

गुंडे पकड़ाए तो दूसरी गैंग के बीच हथियार चलने लगे: इंदौर में सीएम मोहन यादव के आदेश के बाद शनिवार रात भी कॉम्बिंग गश्त हुई। 850 से ज्यादा स्टाफ ने छापामारी कर 461 बदमाशों को ट्रैक किया और इनमें से 393 के खिलाफएक्शन लिया। बावजूद, 24 घंटे में दो हत्या कर दी गई हैं। रविवार रात की वारदात में तो सीधे-सीधे क्रिमिनल पृष्ठभूमि के लोगों में टकराव हुआ है।

गर्लफ्रेंड से बात को लेकर हुई थी युवक की हत्या: छत्रीपुरा के अर्जुन पुरा मल्टी में भी शनिवार रात शिवा जरेले की कृष्णा ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। दोनों दोस्त रोहित का बर्थडे बिल्डिंग की छत पर सेलिब्रेट कर रहे थे। इस दौरान आरोपी ने गर्लफ्रेंड से बात करने को लेकर उसके सीने में चाकू मार दिया था। शिवा को गंभीर हालत में एमवाय भेजा गया। यहां उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया था। इधर रात में उसके परिजनों ने इस हत्याकांड में चार आरोपियों को छोड़ने की बात पर थाने का घेराव किया था। अफसरों का कहना था कि इसमें एक ही आरोपी ने घटनाक्रम को अंजाम दिया था। उसके दोस्तों ने यह बात बयान में भी बताई ओर आरोपी कृष्णा ने भी यह बात कबूल की थी।

हत्या करने पहुंचा युवक, खुद मारा गया

युवती के रिश्तेदार को खत्म करने गया था, भाई के सुसाइड का जिम्मेदार मानता था

मीडिया ऑडीटर, खंडवा एजेंसी। खंडवा में पारिवारिक रंजिश में 23 वर्षीय शुभम खरटे की मौत हो गई। वह नरेंद्र सावनेर नाम के शख्स की हत्या करने पहुंचा था लेकिन संघर्ष में अपनी जान गवां बैठा। शुभम ने पहला हमला करते हुए नरेंद्र की जांघ में चाकू घोंपा। चाकू का हैंडल शुभम के हाथ में रह गया। वह इसी से नरेंद्र पर वार करता रहा जबकि नरेंद्र के हाथ चाकू लग गया। उसने इसी चाकू से शुभम पर जवाबी वार किए। पेट और शरीर के दूसरे हिस्से में चाकू लगने से शुभम की जिला अस्पताल लाते समय मौत हो गई। नरेंद्र भर्ती है। उस पर हत्या के आरोप में केस दर्ज किया गया है। घटना रविवार देर रात अनुपम नगर की है।

भाई की आत्महत्या का कारण मानता था: शुभम खरटे का चचेरा भाई योगेश और नरेंद्र सावनेर (50) के परिवार की एक युवती प्रेम प्रसंग के चलते घर से भाग गए थे। युवती घर लौट आई थी जबकि बीती 4 मार्च को योगेश ने इंदौर में फांसी लगा ली थी। वह इंदौर में ही प्राइवेट जॉब करता था।

शुभम, योगेश पर जान छिड़कता था। शुभम को लगता था कि नरेंद्र और उसके परिवार के टॉर्चर की वजह से योगेश ने सुसाइड किया है। इसके बाद से ही दोनों परिवार में ठनी हुई थी।?

घर के बाहर बाइक पर बैठा था नरेंद्र, तभी किया हमला: शुभम पिता संजय खरटे खंडवा शहर के संजय नगर का रहने वाला था। रविवार रात उसने मोहल्ले में रहने वाले सौरभ को बाइक पर बैठाया। करीब 10 बजे दोनों अनुपम नगर पहुंचे। यहां लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिख रहा है कि नरेंद्र घर के बाहर बाइक पर बैठा था। शुभम बाइक से उतरा और नरेंद्र पर हमला कर दिया। शोर सुनकर नरेंद्र के परिवार के लोग आ गए। शुभम और सौरभ बाइक छोड़कर वहां से चले गए।

परिजन बोले- नरेंद्र के परिवार वालों ने प्लानिंग से मारा: शुभम के परिवार का आरोप है कि हत्याकांड में नरेंद्र ही नहीं, उसका परिवार भी शामिल है। उन्होंने अधूरा सीसीटीवी फुटेज वायरल किया है। उन्होंने शुभम को पूरी प्लानिंग कर बुलाया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी।

इकलौता बेटा था शुभम, मोबाइल कंपनी में काम करता था: शुभम परिवार का इकलौता बेटा था। वह खंडवा में ही एक मोबाइल सर्विस कंपनी में जॉब करता था। परिवार में माता-पिता और एक छोटी बहन है। इस वारदात के बाद दोनोंपक्षों के लोग बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे।

मर्डर होने की खबर लगने पर एएसपी महेंद्र तारणेकर, सीएसपी अरविंद तोमर, टीआई अशोक चौहान, दिलीप देवड़ा सहित पुलिस बल तैनात हो गया। शुभम की मौत डिक्लेयर करने से पहले अफसरों ने भीड़ को बाहर किया। इसके बाद परिजन को बताया।

पुलिस बोली- दो टुकड़ों में चाकू बरामद, शुभम ने हमला किया: पदमनगर टीआई अशोक सिंह चौहान ने बताया, सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, वह पूरी घटना बयां कर रहा है। शुभम खुद नरेंद्र के पास पहुंचा। बाइक से उतरते ही उसने नरेंद्र पर हमला कर दिया। इसी दौरान वह खुद भी घायल हो गया। पुलिस ने चाकू दो टुकड़ों में बरामद किया है।

इंदौर स्टेशन का प्लेटफॉर्म टिकट 50 रु. बताने पर विवाद

कांग्रेस के राष्ट्रीय हैंडल ने किया था पोस्ट

मीडिया ऑडीटर, इंदौर एजेंसी। इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म टिकट को लेकर कांग्रेस और रेलवे आमने-सामने हो गया है। कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल (एक्स) से पोस्ट हुए वीडियों से इस विवाद की शुरुआत हुई है। कांग्रेस ने वीडियों में इंदौर जंक्शन के रेलवे टिकट का फोटो डालते हुए उसे 50 रुपए का बताया। जवाब में डीआरएम रेलवे ने कहा कि देश में कहीं भी प्लेटफॉर्म टिकट 50 रुपए नहीं है। उन्होंने इंदौर स्टेशन के ताजा टिकट का फोटो भी पोस्ट किया है। माना जा रहा है कि रेलवे इस पर पोस्ट के खिलाफएक्शन ले सकता है।

इंदौर जंक्शन के प्लेटफार्म टिकट पर कांग्रेस और डीआरएम रतलाम के दावों का रिएलिटी चेक किया तो सच सामने आ गया।

पहले वह पोस्ट देखिए, जो कांग्रेस ने ऑफशियल हैंडल से की: कांग्रेस द्वारा रविवार रात 7 बजे वीडियो पोस्ट किया गया है। अकेले एक्स पर अब तक छह लाख लोग देख चुके हैं। टिकट पर 17 मार्च 2020 की तारीख दर्ज है। यानी चार साल पुराना टिकट बताकर इसे पोस्ट किया है। इसमें प्लेटफॉर्म का जिक्र करते हुए 50 रुपए लिखा गया है।

जवाब में रेलवे ने रात में ही सफाई दी, कहा- कहीं भी 50 रु. नहीं है प्लेटफॉर्म टिकट: रेलवे की ओर से डीआरएम रतलाम ने रविवार की रात 10 बजे संज्ञान लिया गया। इस पोस्ट का जवाब भी दिया। रेलवे ने रिट्वीट करते हुए लिखा कि श्देश में कहीं भी प्लेटफॉर्म टिकट 50 रुपए का नहीं है।

हालांकि, यहां एक पेंच सामने आ रहा है। डीआरएम द्वारा पोस्ट किए गए टिकट का फॉर्मेट और रेट कांग्रेस द्वारा इस्तेमाल टिकट और रेट से अलग ही है। सबसे बड़ा अंतर तारीख का भी है। 5 साल का अंतर दर्ज है।

किसान ने राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

सात साल पहले बेटे को पढ़ाने आए थे ग्वालियर, सुसाइड की जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर एजेंसी। ग्वालियर में एक किसान ने पारिवारिक विवाद के बाद लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। गोली की आवाज सुनते ही परिजन रूम में पहुंचे तो हर तरफखून ही खून था। एम्बुलेंस की मदद से घायल को जेएएच के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टर ने नब्ज टटोलते ही उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना सोमवार सुबह की बहोड़ापुर क्षेत्र की सूर्य विहार कॉलोनी की है। पुलिस ने स्पॉट पर पहुंचकर सबसे पहले सीन ऑफ क्राइम बनाया और फोरेंसिक एक्सपर्ट ने जांच पड़ताल की है। पुलिस ने हॉस्पिटल पहुंचकर किसान का शव निगरानी में लेकर मॉर्चुरी में रखवा दिया है।

पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट ने क्राइम ऑफसीन बनाया है। माना जा रहा है कि किसान ने लाइसेंसी राइफल को ठुड्?डी पर रखकर पैर के अंगूठे से ट्रिगर दबाया है, जिससे गोली चेहरे को चीरते हुए ऊपर फॉल सीलिंग में जा धंसी है।

सोमवार सुबह उठते ही गोली मार ली: बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के सूर्य विहार कॉलोनी निवासी 42 वर्षीय बिजेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र रामस्वरूप राजपूत पेशे से किसान था। वह मूल रूप से दतिया के पंडोखर के सालौन गांव के रहने वाले थे। वह यहां पर पत्नी मंजू (35) व बेटा सौरभ (14) के साथ रहते थे। सोमवार सुबह वह अपने कमरे में बैठे थे कि तभी अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी।

गोली की आवाज आते ही परिजन कमरे में पहुंचे तो वहां पर बिजेन्द्र खून से लथपथ पड़ा था। पास में ही उसकी लाइसेंसी रायफल (315 बोर की माउजर) पड़ी हुई थी। परिजन की चींख पुकार सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और बिजेन्द्र को जेएएच लेकर पहुंचे। सूचना मिलते ही बहोड़ापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

खुदकुशी की वजह नहीं आई सामने: बिजेन्द्र की मौत का पता चलते ही महिलाएं और अन्य परिजन रोने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने उनसे पूछताछ का प्रयास किया। गमगीन माहौल होने के कारण अभी कारण का पता नहीं चला है। पुलिस को शक है कि कोई पारिवारिक विवाद है, जिसके चलते अपनी ही राइफल से गोली मारी है।

सात साल पहले बेटे को पढ़ाने आए थे ग्वालियर: किसान सात साल पहले पत्नी और इकलौते बेटे को लेकर वह ग्वालियर आया था। यहां उसने बेटे को शिवपुरी लिंक रोड स्थित एक बड़े स्कूल में दाखिला दिलाया था। सूर्य विहार कॉलोनी में मकान किराए पर लिया था।

पुलिस ने कहा-सुसाइड के वजह साफ नहीं: बहोड़ापुर थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर का कहना है कि एक युवक ने खुद को गोली मार कर जान दी है। अभी पता नहीं चला है कि किन कारणों के चलते उसने आत्महत्या की है। मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी में कार्यशाला का समापन

कर्नल बोले-योग आध्यात्मिक साधना की विद्या है जो हमें जीवन में अनुशासन सिखाती है

मीडिया ऑडीटर, सागर एजेंसी। विद्यार्थियों को अध्ययन काल में लक्ष्य तय करना चाहिए और तब तक नहीं रुकना चाहिए, जब तक कि उसे हासिल न कर लें । बाधाएं जीवन में समय की परीक्षा के तौर पर आती हैं। लेकिन साहसी आत्मबल वादी विद्यार्थी ही विजयश्री प्राप्त करते हैं। धैर्य अनुशासन और ज्ञान साधना के बल पर व्यक्ति असाधारण उपलब्धि प्राप्त कर सकता है और ये सभी गुण योग शिक्षा से प्राप्त होते हैं ।

यह बातें 12 मराठा लाइट इंफेन्ट्री यूनिट के कमांड अधिकारी कर्नल ए रविकेशवन ने योग शिक्षा विभाग डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र में कहीं। कर्नल रविकेशवन ने कहा कि योग आध्यात्मिक साधना की विद्या है जो हमें जीवन में अनुशासन सिखाती है। आत्मबल विकसित करती है और हार नहीं मानने की प्रवृत्ति जाग्रत करती है। योग जीवन का संयोजन और जीवन में समायोजन की विद्या है, जिसके माध्यम से हम भौतिक स्थूल स्तर से सूक्ष्म जगत में प्रवेश कर मुक्ति को पाते हैं।

डॉ. कामता प्रसाद साहू ने कहा कि योग चित्त का विज्ञान है जो अभ्यास और साधना के माध्यम से मन और चित्त पर विजय प्राप्त कराता है। गाजियाबाद के डॉ. सचिन पॅवार ने एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर कपिंग थैरेपी चुंबक चिकित्सा योग चिकित्सा पर कार्यशालाएं संचालित करते हुए विद्यार्थियों को इन चिकित्सा पद्धतियों के सिद्धांतों व प्रयोगों को समझाया। डॉ. पवार ने इन पद्धतियों का रोगों में कैसे उपयोग करना है इसका विद्यार्थियों पर ही प्रयोग कर प्रशिक्षण दिया।

सफलता के लिए जीवन को योगमय बनाना होगा: योग विभागाध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने कहा कि हमें सफलताओं की प्राप्ति के लिए जीवन को योगमय बनाना होगा। सत्र के प्रारंभ में स्नातक की छात्रा विधि चौबे ने कत्थक शैली में प्रभु वंदना प्रस्तुत की। स्नोतकोत्तर की छात्रा मानसी मिश्रा ने नृत्य के माध्यम से योगेश्वर कृष्ण की स्तुति की। रिमझिम दुबे ने योगाभ्यास प्रदर्शन किया।

डॉ. नितिन कोरपाल ने कहा कि यह छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला अंतर विश्वविद्यालय केंद्र योग विज्ञान बैंगलोर के कैंप आफिस नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। जिसमें आनलाइन और प्रत्यक्ष रूप से 350 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर योग वैकल्पिक व पूरक चिकित्सा पद्धतियों की अवधारणा और तकनीक को समझा।

जंगल काटकर बनाया खेत, बोवनी की तैयारी

4 साल में माफिया ने 10 हजार एकड़ पर जमाया कब्जा, ठूंठ तक जला डाले

मीडिया ऑडीटर, खंडवा एजेंसी। खंडवा में जंगल माफिया के आगे वन विभाग बौना साबित हो रहा है। माफिया ने फॉरेस्ट की 10 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन पर कब्जा कर लिया है। हरे-भरे हजारों पेड़ काटकर जमीन को खेत में तब्दील कर दिया है। अब यहां बोवनी की तैयारी है। यहां तक कि पेड़ के ठूंठ भी जला दिए गए हैं। बड़ी बात ये है कि ऐसा पिछले चार साल से चल रहा है।

मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर गुड़ी के पास भिलाईखेड़ा के जंगल पहुंची। वन विभाग का भिलाईखेड़ा क्षेत्र करीब 250 हेक्टेयर यानी तकरीबन एक हजार एकड़ में फैला है। अतिक्रमण वाला हिस्सा वन विभाग के गुड़ी और खालवा रेंज में है। गुड़ी रेंज के भिलाईखेड़ा बीट क्रमांक 748, 749, नाहरमाल-कुमठा के बीट क्रमांक 741, 744, 746, 760 और खालवा रेंज के सरमेश्वर बीट में जंगल की बेतहाशा कटाई हुई है।

कटाई वाला सबसे ज्यादा करीब 6 हजार एकड़ का जंगल नाहरमाल-कुमठा का है। बाकी भिलाईखेड़ा में एक हजार एकड़ और खालवा के सरमेश्वर क्षेत्र में तीन हजार एकड़ जंगल को खेत बनाया गया है। इस तरह करीब 10 हजार एकड़ जमीन पर माफिया ने अतिक्रमण कर रखा है।

चारों तरफ समतल जमीन और जले हुए ठूंठ: जंगल में अंदर एंट्री करते ही रास्ते में पेड़ गिरा हुआ दिखा। थोड़ी दूर गए तो एक कटे हुए पेड़ से धुआं उठ रहा था। और आगे बढ़े, तो पेड़ों की जगह समतल जमीन दिखाई दी। ऐसा लग रहा था कि जैसे यहां खेत बना दिए गए हों। पूछने पर पता चला कि कुछ साल पहले तक यहां जंगल हुआ करता था, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने पेड़ काट डाले। ठूंठ को सूखने के लिए छोड़ दिया था। अब आग लगाने से उसकी जड़ें भी जल जाएंगी। इसके बाद जमीन को ट्रैक्टर की मदद से समतल कर खेत में तब्दील कर डाला। पिछले चार साल से अतिक्रमणकारी यहां खेती तक कर रहे हैं।

यहां वन समिति से जुड़े मुखिया मिले। नाम नहीं बताने की शर्त पर उन्होंने बताया, 'जंगल पर कब्जा करने वाले कुछ लोग स्थानीय हैं, बाकी बाहर के लोग हैं। दोनों की आपस में रिश्तेदारी है। ये लोग शुरुआत में रात के समय जंगल में जाकर पेड़ काटकर आते हैं। चार-पांच दिन बाद पेड़ सूखने पर आग लगा देते हैं।

इनका मकसद जंगल पर कब्जा करना है। आतंक ऐसा फैलाना कि सरकार भी कब्जा हटाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। बाद में उसी जंगल पर खेती की जमीन तैयार करना। चार साल से इस काम में लगे लोग अब फसल बुआई की तैयारी कर रहे हैं।'

बाहर के आदिवासी जंगलों में कर रहे घुसपैठ: वन समिति से ही जुड़े धन्नालाल पटेल, किशोर काजले का कहना है, 'अतिक्रमण करने वाले लोग बाहरी हैं। ये लोग खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, अलीराजपुर क्षेत्र से आकर यहां बसे हैं। यहां आकर एक-दो एकड़ जमीन खरीदते हैं। फिर यहीं के निवासी हो जाते हैं। पंचायत वाले भी इनका राशन और वोटर कार्ड तक बना देते हैं। धीरे-धीरे ये लोग रिश्तेदारों को बुलाकर जंगलों में घुसपैठ करते हैं। वनों की कटाई करते हैं। विभाग में पदस्थ ज्यादातर अफसर इन्हीं के क्षेत्र और समाज से होते हैं, इसलिए वे सख्ती नहीं अपनाते।'

सरपंच बोले- भोपाल तक शिकायत, नतीजा सिफर: सबसे ज्यादा जंगल कटाई गुड़ी रेंज में नाहरमाल बीट क्षेत्र में हुई है।? नाहरमाल ग्राम पंचायत के सरपंच सतीश साठे बताते हैं, 'स्थानीय लोगों के साथ खरगोन, बड़वानी से आए लोगों ने जंगल को काटकर खेत बना दिया है। यहां अभी भी जुताई के लिए रोजाना ट्रैक्टर चल रहे हैं। उन लोगों को रोकने वाला कोई नहीं है।'

महिलाएं देती हैं धमकी, अफसर भी साथ नहीं देते: जंगल के रास्ते पर बोरखेड़ा वन चौकी के वनरक्षक व चौकीदार मिले। उन्होंने बताया कि इतना बड़ा जंगल काट दिया गया। वनरक्षक ने कहा, 'हम लोग रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन हमारे पास सिर्फ एक चौकीदार और दो चार वनकर्मी होते हैं। वो लोग सैकड़ों की संख्या में रहते हैं। महिलाएं आगे आ जाती हैं। वो धमकाती है कि हाथ लगाकर दिखा, थाने चली जाऊंगी, संगठन को बुला लूंगी। रेप केस लगा दूंगी। यहां तक कि वो लोग मारने पर उतारू हो जाती हैं। हाथों में दरांती लेकर बात करती हैं। एक दिन जेसीबी लेकर गए, तो महिलाएं मशीन के पंजे में बैठ गईं। वरिष्ठ अधिकारियों को बताओ, तो वो कहते हैं कि तुम्हारे हिसाब से निपट लो, इसलिए हम भी सोच लेते हैं कि जान बची लाखों पाए।'

वन चौकी तक तोड़ डाली, ईंट-सरिया निकाल ले गए: जंगल पर कब्जा जमाने वालों का खौफ ऐसा है कि वन विभाग के अफसर भी पीछे हट जाते हैं। जब इसकी भनक अफसरों को लगी, तो उन्होंने जंगल में वन चौकी बनाने का फैसला किया। 2021 में खालवा रेंज की सीमा में लगे सरमेश्वर क्षेत्र में चौकी बनाई गई। माफिया ने रात में धावा बोलकर चौकी तोड़ दी। वहां से ईंट, सरिया तक निकालकर ले गए।

वन विभाग का प्लान- जेसीबी से खुदाई कर दी जाए: पिछले सप्ताह 10 जून को भी अतिक्रमणकारियों को खदेड़ने के लिए वन विभाग की टीम गई थी। प्लान था कि अतिक्रमण क्षेत्र में जेसीबी से खुदाई कर दी जाए, ताकि अतिक्रमणकारी बुआई नहीं कर सकें। यहां जेसीबी से जमीन की खुदाई भी की गई, लेकिन मौके पर आदिवासी इकट्ठा हो गए। महिलाएं जेसीबी पर चढ़ गईं। उन्होंने कहा कि जंगल हमारा है। विरोध देखकर कार्रवाई बंद करना पड़ी।

'ये कोई टीम है...', आपसी कलह पर बोले हेड कोच गैरी कर्स्टन, कहा- कभी नहीं देखी ऐसी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैरी कर्स्टन, टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के हेड कोच बने थे. उनके अंडर पाक टीम सुपर-8 में भी नहीं पहुंच सकी है, ऐसे में पूरी टीम और कोचिंग स्टाफ पर भी सवाल उठने लगे हैं. इस बीच गैरी कर्स्टन ने खिलाड़ियों के बीच एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं. कर्स्टन का यह बयान तब आया है जब कुछ ही दिन पहले वसीम अकरम ने बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के बीच बातचीत बंद होने का दावा किया था. बता दें कि पाकिस्तान टीम वर्ल्ड कप में 4 में से सिर्फ 2 मैच जीत सकी और उसे ɤ के हाथों भी हार झेलनी पड़ी.

टीम में नहीं है एकता : मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि गैरी कर्स्टन ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान टीम के बेकार प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों से बात की. कर्स्टन जबसे टीम के साथ जुड़े हैं तब से उन्हें टीम के अंदर एकता नहीं दिखी है. दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज का कहना है कि प्लेयर्स एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करते. उन्होंने इससे पहले कई टीमों के साथ काम किया है, लेकिन उन्होंने कभी खिलाड़ियों के बीच एकता की कमी महसूस नहीं की. गैरी कर्स्टन ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान टीम के खिलाड़ियों का फिटनेस लेवल बढ़िया नहीं है. वहीं पाक टीम की स्किल्स भी अन्य टीमों के मुकाबले बहुत कमजोर है.

किसी को कुछ नहीं पताः गैरी कर्स्टन जरूर पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन के प्रति नाराज होंगे. खिलाड़ी कई साल से क्रिकेट खेल रहे हैं, फिर भी उन्हें यह नहीं पता कि उन्हें कब कौन सा शॉट खेलना है. कर्स्टन ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी खिलाड़ी ऊपर दिए गै मानकों पर खरा उतरेगा, उसे टीम में जगह मिलेगी वरना उन्हें बाहर कर दिया जाएगा. रिपोर्ट्स अनुसार कर्स्टन फिलहाल दक्षिण अफ्रीका में अपने घर चले जाएंगे क्योंकि पाकिस्तान टीम को अगस्त महीने तक कोई क्रिकेट नहीं खेलना है.

श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 83 रनों से चटाई धूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को टी20 विश्व कप 2024 के 38वें मुकाबले में बड़े अंतर से हरा दिया. श्रीलंका ने इस मुकाबले में 83 रनों से हराया. उसने पहले बैटिंग करते हुए 202 रनों का लक्ष्य दिया. इसके जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 118 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई. श्रीलंका के लिए चरिथ असलंका और कुसल मेंडिस ने बैटिंग में कमाल दिखाया. वही नुवान तुषारा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए.

श्रीलंका और नीदरलैंड्स की टीमें सुपर 8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं. श्रीलंका ने इस मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट के नुकसान के साथ 201 रन बनाए. टीम के लिए कुसल मेंडिस ने अच्छा परफॉर्म किया. उन्होंने 29 गेंदों में 46 रन बनाए. असंलका ने 5 छक्कों और 1 चौके की मदद से 46 रन बनाए. मैथ्यूज ने 15 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए. वहीं हसरंगा ने 6 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाए.

118 रनों के स्कोर पर ढेर हुई नीदरलैंड्स की टीम - श्रीलंका के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम 118 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई. टीम के लिए माइकल लेविट और मैक्स ओडॉड ओपनिंग करने आए. लेविट ने 23 गेंदों का सामना करते हुए 31 रन बनाए. उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए. ओडॉड 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे. कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 31 रनों का योगदान दिया. उन्होंने 24 गेंदों का सामना करते हुए 31 रन बनाए. इस दौरान 2 चौके और 1 छक्का लगाया. आर्यन दत्त 10 रन बनाकर आउट हुए.

श्रीलंका के लिए तुषारा का दमदार प्रदर्शन - श्रीलंका के लिए नुवान तुषारा ने शानदार गेंदबाजी की. उन्होंने 3.4 ओवरों में 24 रन देकर 3 विकेट लिए. मथीशा पथिराना ने 3 ओवरों में 12 रन देकर 2 विकेट लिए. कप्तान वानिंदु हसरंगा ने 4 ओवरों में 25 रन देकर 2 विकेट लिए. महीशा थीक्षणा और दसुन शनाका ने एक-एक विकेट लिया. बता दें कि श्रीलंका और नीदरलैंड्स की टीमें एलिमिनेट हो चुकी हैं.

टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8

आठ टीमों के बीच खेले जाएंगे 12 मुकाबले, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 के लिए सभी आठ टीमें फाइनल हो चुकी है. बांग्लादेश सुपर 8 में एंट्री लेने वाली आखिरी टीम हैं. अब आठ टीमों के बीच कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे. इसके बाद टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल मैच का आयोजन होगा. भारत और यूएसए के साथ ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने सुपर 8 में क्वालीफाई किया है.

सुपर 8 मुकाबलों की शुरुआत 19 जून से होगी. इसका पहला मैच यूएसए और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा. वहीं भारत का पहला मैच अफगानिस्तान से है. भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को मैच खेला जाएगा. सुपर 8 के लिए दो ग्रुप बनाए गए हैं. हर ग्रुप में चार-चार टीमें हैं. भारत ग्रुप 1 में है. इसमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश भी हैं. वहीं ग्रुप 2 में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, यूएसए और दक्षिण अफ्रीका को रखा गया है.

सुपर 8 में टीम इंडिया को खेलने हैं तीन मुकाबलेः भारत का पहला मैच अफगानिस्तान से है. यह मैच बारबाडोस में 20 जून को खेला जाएगा. इसका बाद दूसरा मैच बांग्लादेश से होगा. भारत और बांग्लादेश के बीच 22 जून को एंटीगुआ में मैच खेला जाएगा. टीम इंडिया का तीसरा मुकाबला सेंट लूसिया में होगा. यह मैच 24 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला जाएगा.

टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 का पूरा शेड्यूल -

19 जूनः यूएसए बनाम दक्षिण अफ्रीका, नॉर्थ साउंड, एंटीगुआ

19 जूनः इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, ग्रोस आइलेट, सेंट लूसिया

20 जूनः अफगानिस्तान बनाम भारत, ब्रिजटाउन, बारबाडोस

20 जूनः ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, नॉर्थ साउंड, एंटीगुआ

21 जूनः इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, ग्रोस आइलेट, सेंट लूसिया

21 जूनः यूएसए बनाम वेस्ट इंडीज, ब्रिजटाउन, बारबाडोस

22 जूनः भारत बनाम बांग्लादेश, नॉर्थ साउंड, एंटीगुआ

22 जूनः अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, अर्नोस वेले, सेंट विंसेंट

23 जूनः यूएसए बनाम इंग्लैंड, ब्रिजटाउन, बारबाडोस

23 जूनः वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका, नॉर्थ साउंड, एंटीगुआ

24 जूनः ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, ग्रोस आइलेट, सेंट लूसिया

24 जूनः अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, अर्नोस वेले, सेंट विंसेंट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले गौतम गंभीर

टी20 वर्ल्ड कप के बीच सामने आई तस्वीर, दिया यह संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ मिलकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है. एनडीए सरकार बनने के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है. गंभीर ने अमित शाह को हालिया चुनाव में सफलता पर बधाई दी. उन्होंने अपने 'ङ्क' अकाउंट पर अपनी और अमित शाह की मुलाकात की तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखते हुए बताया कि माननीय केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में भारत सुरक्षा के मामले में बेहतर बनेगा और देश में स्थिरता बढ़ेगी.

क्या गौतम गंभीर ने छोड़ दी है राजनीति? आपको याद दिला दें कि गौतम गंभीर ने 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी के रूप में पूर्वी दिल्ली सीट से चुनाव पड़ा था. गंभीर ने उस समय दूसरे स्थान पर रहीं आम आदमी पार्टी की आतिशी मार्लेना को 6,95,109 वोटों के विशाल अंतर से हराया था. अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद पूर्व क्रिकेटर ने 2 मार्च 2024 को घोषणा करते हुए बताया कि वे राजनीति से बाहर हो रहे हैं और आगे केवल क्रिकेट प्रोजेक्ट्स पर ध्यान लगाएंगे.

भारतीय टीम के हेड कोच बनेंगे? गौतम गंभीर इन दिनों भारतीय टीम का हेड कोच बनने की खबरों के कारण चर्चाओं में हैं. बता दें कि राहुल द्रविड़ का मुख्य कोच के तौर पर कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप के तुरंत बाद 30 जून को समाप्त हो रहा है. हाल ही में आई कुछ रिपोर्ट्स अनुसार द्रविड़ के बाद गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बनेंगे. हालांकि उन्होंने BCCI के सामने कुछ मांग रखी थीं, जिन्हें बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है.

अमित शाह दूसरे बार बने कैबिनेट मंत्रीः एनडीए सरकार के पहले कार्यकाल (2014-2019) तक अमित शाह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका निभाई. मगर दूसरी बार सरकार आने पर यानी 2019 में उन्हें मोदी कैबिनेट में जगह दी गई, जहां उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री पद सौंपा गया था. अब मोदी 3.0 में उन्हें दूसरी बार गृह मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है. बता दें कि उन्होंने 2024 में गुजरात के गांधीनगर से चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें कुल 10,10,972 वोट मिले और दूसरे स्थान पर रहीं कांग्रेस की सोनल पटेल को 7,44,716 वोटों के विशाल अंतर से हराया था.

भारत के लिए सिरदर्द बन सकते हैं अफगानिस्तान के गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच सुपर 8 का मुकाबला बारबाडोस में खेला जाएगा. टीम इंडिया मैच के लिए पहुंच चुकी है. भारतीय टीम फॉर्म में है और उसने लगातार तीन मैच जीते हैं. लेकिन विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके. वे रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग में सफल नहीं हो पाए हैं. अब भारत का मुकाबला अफगानिस्तान है. उसके लिए यह मैच आसान नहीं होगा. अफगानिस्तान के स्पिनर्स उसके लिए सिर दर्द बन सकते हैं.

अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद और और मुजीब उर रहमान कई मौकों पर शानदार बॉलिंग कर चुके हैं. वे दोनों टी20 विश्व कप 2024 में भी कमाल दिखा चुके हैं. राशिद की बात करें तो वे काफी अनुभवी हैं और आईपीएल में खेलने की वजह से अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों से वाकिफ हैं. यह स्थिति भारत के लिए चुनौती बढ़ा सकती है. टीम इंडिया के बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के स्पिनर्स के सामने दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है.

राशिद खान ने युगांडा के खिलाफ 2 विकेट लिए थे. वहीं मुजीब ने एक विकेट लिया था. वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ राशिद काफी घातक साबित हुए थे. उन्होंने 4 ओवरों में महज 17 रन देकर 4 विकेट लिए थे. इस मुकाबले में मोहम्मद नबी ने भी बॉलिंग की थी. उन्होंने 4 ओवरों में 16 रन देकर 2 विकेट लिए थे.टीम इंडिया के लिए ये गेंदबाज दिक्कत बन सकते हैं.

बता दें कि सुपर 8 के मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जाने हैं. यहां स्पिनर्स को मदद मिल सकती है. इसी वजह से टीम इंडिया भी चार स्पिनर्स के साथ आयी है. भारत के पास कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल हैं. कुलदीप को पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है. कुलदीप कई मौकों पर अच्छी बॉलिंग कर चुके हैं. अक्षर भी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन सकते हैं. वे ऑलराउंडर की भूमिका निभाते हैं.

बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली बना बांग्लादेश का यह 21 वर्षीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 राउंड में पहुंच चुका है. इस टीम ने लीग स्टेज मैच में श्रीलंका को 2 विकेट से हराया. इसके बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा. लेकिन इस हार के बाद दमदार वापसी की. बांग्लादेश ने नीदरलैंड्स और नेपाल को हराया. इस तरह बांग्लादेश ने 4 मैचों में 6 प्वॉइंट्स के साथ अगले राउंड के लिए क्वॉलीफाई किया. बांग्लादेश की कामयाबी में 21 वर्षीय गेंदबाज तंजिम हसन का बड़ा योगदान माना जा रहा है. दरअसल, इस वर्ल्ड कप में तंजिम हसन के आंकड़े लाजवाब हैं.

विपक्षी बल्लेबाजों के लिए आफत तंजिम हसन... तंजिम हसन विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल चुनौती बने हुए हैं. इस गेंदबाज के सामने बल्लेबाज बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं. टी20 वर्ल्ड कप में तंजिम हसन के प्रदर्शन की बात करें तो पहले मैच में 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट अपने नाम किया. इसके बाद दूसरे मैच में 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विपक्षी बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया. जबकि इस टूर्नामेंट के तीसरे मैच में तंजिम हसन ने 3 ओवर में 23 रन देकर 1 विकेट झटके. वहीं, इस टूर्नामेंट के चौथे मैच में 4 ओवर में महज 7 रन देकर 4 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया.

अब इन टीमों से खेलेगा बांग्लादेश... वहीं, बांग्लादेश के सुपर-8 राउंड मैचों पर नजर डालें तो अब तक 3 मैच तय हो चुके हैं. बांग्लादेश सुपर-8 में अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी. बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया की टीमें 21 जून को आमने-सामने होगी. इसके बाद बांग्लादेश की भिड़त भारत से होगी. भारत और बांग्लादेश का आमना-सामना 22 जून को होगा. इसके बाद बांग्लादेश अपने तीसरे मैच में अफगानिस्तान के सामने होगा. दोनों टीमें 25 जून को भिड़ेंगी.

छक्के नहीं मार सकता, टुक-टुक खेलता है

खराब प्रदर्शन को लेकर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने बाबर को खूब खरी-खोटी सुनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान टीम शर्मनाक प्रदर्शन के बाद टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है. ग्रुप स्टेज में पाक टीम ने कनाडा और आयरलैंड को हराया, लेकिन पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ उसे हार मिली. यह लगातार दूसरा ढ्ढष्टष्ट टूर्नामेंट है जब बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान नॉकआउट स्टेज तक भी नहीं पहुंच पाया है. इससे पहले पाकिस्तान 2023 एकदिवसीय क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका था. अब खराब प्रदर्शन और बेकार कप्तानी के लिए भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने बाबर को खूब खरी-खोटी सुना डाली है.

'तेज गेंदबाजी पर छक्के मार के दिखाओ...' क्रिकबज़ के एक शो पर चर्चा करते हुए वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि बाबर आजम ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो बड़े छक्के लगा सकते हों. वो सिक्स तभी लगाते हैं जब वो सेट हों या सामने स्पिन गेंदबाजी हो रही हो. सहवाग ने तीखा बयान देते हुए कहा कि बाबर को उन्होंने कभी तेज गेंदबाजी के खिलाफ आगे बढ़कर छक्का लगाते नहीं देखा है और ना ही कभी कवर के ऊपर से छक्का लगाते देखा है. बाबर केवल सुरक्षित शॉट्स लगाना जानते हैं, इसलिए वो खूब सारे रन बनाते हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट भी कुछ खास बढ़िया नहीं है.

'नया कप्तान आया तो बाबर की छुट्टी तय...' वीरेंद्र सहवाग ने बाबर आजम पर तंज़ कसते हुए बताया कि एक लीडर होने के नाते उन्हें टीम के बारे में सोचना चाहिए. ऐसे में बेहतर होगा कि बाबर आजम खुद को टीम से बाहर कर ऐसे किसी खिलाड़ी को भेजें जो बड़े-बड़े सिक्स लगा सकता हो. सहवाग ने कहा कि उनकी बात शायद कड़वी लग सकती है, लेकिन टीम को नया कप्तान मिलता है तो बाबर आजम टी20 टीम में जगह के हकदार नहीं हैं. उनका प्रदर्शन टी20 क्रिकेट की मांग के हिसाब से अच्छा नहीं है.

बाबर का बेकार प्रदर्शनः बाबर आजम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 4 मैचों में सिर्फ 122 रन बनाए हैं. वर्ल्ड कप में उनकी औसत से 40 से अधिक की है, लेकिन स्ट्राइक रेट 101.67 का है. इनमें उनका सर्वाधिक स्कोर 44 रन का रहा, जो उन्होंने 43 गेंद खेलकर बनाए थे. बाबर आजम हालांकि टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा रन बना चुके हैं, लेकिन बेकार स्ट्राइक रेट के लिए उनकी जमकर आलोचना हो रही है.

नाबालिग लड़के ने ट्रेन के कट कर जान दी

पुलिस की प्रताड़ना का आरोप, एसपी ने एएसआई को निलंबित किया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर में सिटी कोतवाली से कुछ दूरी पर मिट्टी के मटके बेचने वाले एक नाबालिग लड़के ने ट्रेन से कट कर अपनी जान दे दी। घटना सोमवार सुबह 6 बजे की है। मृतक नाबालिग के परिजनों ने पुलिस की प्रताड़ना का आरोप लगाया है। एसपी सतना ने इस मामले में सिटी कोतवाली के एक एएसआई को सस्पेंड कर दिया है।

बताया जा रहा है कि सिटी कोतवाली से कुछ ही कदमों की दूरी पर अंडर ब्रिज के पास अपनी नानी मनगिरिया प्रजापति के पास रहकर मिट्टी के मटके बेचने वाले 17 वर्षीय पुष्पेंद्र प्रजापति पिता कमलेश प्रजापति निवासी गलबल जैतवारा की मौत हो गई। उसका शव गुरुद्वारा नानक दरबार के पीछे रेलवे ट्रैक पर पड़ा पाया गया। पुष्पेंद्र अपनी नानी के पास ही रहता व खाता था और काम में हाथ बटाता था। रात में वह खाना खा कर सोया था लेकिन अचानक कहीं चला गया।

सुबह राजू नामक युवक ने आकर नानी को ट्रैक पर पुष्पेंद्र का शव पड़ा होने की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। जीआरपी के जवान भी मौके पर पहुंच गए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी ले आए। अस्पताल में भी लोगों को खासी भीड़ जमा रही।

मृतक की नानी और अन्य लोगों ने सिटी कोतवाली में पदस्थ एएसआई मुकेश सुमन पर पुष्पेंद्र को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए इस मौत के लिए उसे जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। खबर मिलने पर सीएसपी महेंद्र सिंह और टीआई कोतवाली शंखधर द्विवेदी भी अस्पताल पहुंचे।

मृतक की नानी ने सीएसपी को बताया कि कुछ दिनों पहले पुष्पेंद्र का मोबाइल चोरी हो गया था जिसकी शिकायत उसने कोतवाली में दर्ज कराई थी। कई दिनों बाद भी जब मोबाइल नहीं मिला तो उसने 181 में शिकायत दर्ज करा दी थी।

मामला सीएम हेल्प लाइन तक पहुंचने से मोबाइल चोरी की जांच कर रहे एएसआई मुकेश सुमन असहज हो गए थे और पुष्पेंद्र पर शिकायत बंद कराने का दबाव बना कर उसे परेशान करने लगे थे। एएसआई ने इंकार करने पर पुष्पेंद्र के साथ मारपीट भी की थी और रोज थाना आने को कहा था। इस स्थिति से वह परेशान रहने लगा था।

इसी बीच 14 जून को एएसआई मुकेश सुमन ने पुष्पेंद्र को अपनी बाइक देकर शराब लेने भेजा था। रास्ते मे कहीं पुष्पेंद्र गिर गया जिसके कारण बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। जब वह टूटी बाइक लेकर थाना पहुंचा तो एएसआई ने फिर उसकी बेदम पिटाई की थी। इस घटना में पुष्पेंद्र को चोटें भी आई थीं और वह और ज्यादा दुखी तथा परेशान रहने लगा था।

एसपी ने किया निलंबित: नाबालिग लड़के की मौत के मामले में पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगने की जानकारी एसपी आशुतोष गुप्ता को हुई तो उन्होंने सीएसपी महेंद्र सिंह से जानकारी मांगी। सीएसपी ने परिजन से हुई बातचीत और उनके आरोपों के आधार की जानकारी एसपी को दी। एसपी गुप्ता ने इस मामले की गहन जांच के आदेश के साथ ही एएसआई मुकेश सुमन को निलंबित करने का भी आदेश दे दिया। फ्लिहाल यह निलंबन जांच पूरी होने तक के लिए है।

मुख्यमंत्री के आतिथ्य में 18 जून को होगा 'स्कूल चलें हम अभियान 2024' का राज्य स्तरीय आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 जून को स्कूल चलें हम अभियान 2024 का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रात: 10 बजे से आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेबकास्ट सहित अन्य संचार माध्यमों से किया जायेगा। आयोजित ''प्रवेशोत्सव'' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवप्रवेशी विद्यार्थियों का शाला में स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री श्री विजय शाह एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रतापसिंह के साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

18 जून को पूरे प्रदेश की शासकीय शालाओं में आयोजित किए जा रहे ''प्रवेशोत्सव'' के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जन प्रतिनिधि भी किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। शाला स्तर पर आयोजित स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान ग्राम/बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दिन शालाओं में विशेष भोजन का वितरण किया जाएगा।

19 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री का अभिभावकों को संबोधित पत्र और नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण: स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय दिवस समस्त विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह जी द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इन बैठकों में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखत: कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक-शिक्षक बैठक, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जायेगी। नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा।

20 जून को होगा भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन: स्कूल चले हम अभियान को जनआंदोलन में परिणित करने की दृष्टि से प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं में जनसमुदाय की सहभागिता में ''भविष्य से भेंट कार्यक्रम'' का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्ति, स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति आदि प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंटकर विद्यार्थियों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिये प्रेरित करेंगे।

इसके अतिरिक्त समाज के अन्य इच्छुक व्यक्ति यथा जन प्रतिनिधि, संचार मित्र, सामाजिक संगठनों से जुडे व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता, उन्नत किसान, अभिनेता, कलाकार, खिलाड़ी, उद्योगपति, व्यवसायी अथवा अधिकारी भी अपनी पंसद के किसी एक स्कूल में जाकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सहयोग कर सकेंगे।

उन्हें इस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए एज्युकेशन पोर्टल की लिंक पर अपना पंजीयन कर अपनी सुविधा से किसी एक शाला का चयन करना होगा। कार्यक्रम के दौरान शालाओं में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को शाला उपयोग की वस्तुएं भेंट भी कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री आज जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पात्र किसानों को योजना की 17वीं किश्त का वितरण 18 जून को किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वाराणासी में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से सिंगल क्लिक से किसानों के खाते में योजना की राशि जारी करेंगे। इस कार्यक्रम का जिला तथा विकासखण्ड स्तर पर सजीव प्रसारण किया जायेगा। सभी ग्राम पंचायतों में भी योजना से लाभांवित किसानों को कार्यक्रम के लाइव प्रसारण से जोड़ा जायेगा। शासन द्वारा कार्यक्रम आयोजन के संबंध में प्रदेश के समस्त जिलों को दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अनुसार कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जिला और ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाये। सभी ग्राम पंचायतों में प्रसारण की व्यवस्था की जाये। संबंधित ग्रामों के पटवारियों को विलेज नोडल अधिकारी (वीएनओ) नियुक्त किया गया है।

वीएनओ संबंधित ग्राम के कृषकों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिये प्रेरित करेंगे। साथ ही हितग्राहियों को किश्त प्राप्त करने के लिये ई-केवाईसी, आधार एवं बैंक खाता लिंकिंग और पीएम किसान पोर्टल पर स्टेटस की जानकारी प्रदान करेंगे। वीएनओ अधिक से अधिक किसानों को माई जीओव्ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यक्रम से लाइव जुड़ने के लिये प्लेटफॉर्म की जानकारी देंगे। कार्यक्रम का प्रसारण प्रोजेक्टर एवं बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कराने के निर्देश दिये गये हैं। अपर कलेक्टर सतना स्वप्निल वानखेड़े ने उप संचालक कृषि मनोज कश्यप को राज्य शासन के निर्देशानुसार 17वीं किश्त वितरण दिवस को पीएम किसान उत्सव दिवस के रुप में मनाये जाने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से राहगीर की मौत

घर के आंगन में बैठे 7 झुलसे, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भीषण गर्मी के बीच सोमवार को अचानक बदले मौसम के मिजाज के बीच गिरी। आसमानी बिजली ने जहां एक राहगीर की जान ले ली है। वहीं 7 लोग झुलस भी गए हैं। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। आग बरसाती कड़ी धूप और भीषण गर्मी के बीच सोमवार को दोपहर बाद सतना में मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान पर बादलों ने डेरा डाल लिया।

तेज हवा के झोंको के साथ कुछ मिनटों तक कुछ क्षेत्रों में बारिश की कुछ बूंदें भी पड़ीं। बारिश का आलम तो ये था कि सतना शहर के ही पश्चिमी हिस्से में जहां बूंद तक नहीं टपकी वहीं पूर्वी हिस्से में भी चंद मिनटों में ही बूंदाबांदी बंद हो गई। शहर के अलावा कुछ ग्रामीण इलाकों में भी बादल गरजे और कुछ देर के लिए बरसे भी।

अहिरगांव में एक राहगीर की मौत: मौसम के मिजाज में आए इस बदलाव के बीच जिले के उचेहरा और रामपुर क्षेत्र में दो स्थानों पर आकाशीय बिजली भी कहर बन कर टूटी। रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के अहिरगांव के पास बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े हुए एक राहगीर पर आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर के आंगन में बैठे 7 झुलसे: उचेहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बाबूपुर में भी आकाशीय बिजली आफत बन कर गिरी। घर के आंगन में पेड़ के नीचे बैठे 7 लोग गाज की चपेट में आ कर बुरी तरह झुलस गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचेहरा ले जाया गया है। झुलसने वालों में सचिन चौधरी पिता रवि रोशन (25),रतनलाल चौधरी पिता भरोसा चौधरी (70),गंगा चौधरी पिता अर्जुन चौधरी (45),मोती लाल चौधरी पिता गयादीन चौधरी (60),सीमा चौधरी पत्नी रोशन लाल चौधरी (45), आशा चौधरी पत्नी हरि ओम चौधरी (40) एवं मनोज चौधरी पिता नत्थू लाल चौधरी (55) शामिल हैं।

सभी स्कूलों में 18 से 20 जून तक मनाया जाएगा प्रवेशोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चलें हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में 18 से 20 जून तक तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 18 जून को प्रवेशोत्सव के प्रथम दिन स्कूल आने वाले विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों का स्वागत किया जाएगा। साथ ही शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उनका प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के प्रथम दिवस सभी शालाओं में विशेष भोज भी होगा।

सांसदगण, विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी किसी एक शाला में प्रवेशोत्सव में शामिल होंगे। सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का आयोजन किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दूसरे दिन 19 जून को स्कूल में शिक्षकों द्वारा अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थी के अभिभावकों से सुझाव लेकर कक्षावार तथा विषयवार शैक्षणिक कैलेण्डर तैयार किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इसी दिन शाला में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण कराया जाएगा। प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन 20 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले के जनप्रतिनिधि विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्ति, अधिकारी, समाजसेवी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा गणमान्य नागरिक स्वयं द्वारा चुनी गई शाला में जाकर विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन देंगे। इन्हें शाला चयन के लिए ऑनलाइन लिंक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शाला में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित उपयोगी सामग्री भेंट भी कर सकते हैं। जिले के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की किसी एक शाला में ड्यूटी लगाई जाएगी जिसमें उन्हें विद्यार्थियों को पढ़ाना होगा। तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव का मुख्य उद्देश्य शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना संजना जैन ने प्रवेशोत्सव के पहले दिन 18 जून को विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन में विशेष भोज आयोजित करने के संबंध में समस्त सीईओ जनपद पंचायत एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को निर्देशित किया है।

जल निगम पाइपलाइन की कार्ययोजना अन्य विभागों के साथ साझा करे

कलेक्टर मैहर ने की जल जीवन निगम के कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में जल जीवन निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे पेयजल संबंधी कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन निगम के अधिकारियों से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के संबंध में जानकारी ली। जल जीवन निगम के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन निगम के अलावा क्षेत्र में अन्य शासकीय विभागों द्वारा भी विकास के कार्य किये जा रहे हैं। विभिन्न विभागों द्वारा खुदाई का कार्य करने के दौरान जल जीवन निगम की डाली गई भूमिगत पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है। जिससे पाइपलाइन बिछाने का कार्य बाधित हो रहा है। इस पर कलेक्टर बाटड ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल बना कर कार्य करें। दोनो विभाग के हुए नुकसान को आपसी समझौते से सुधार करें। कलेक्टर ने कहा किजल जीवन निगम द्वारा डाली जा रही पाइप लाइन का नक्शा और प्लान संबंधित विभागो से साझा न करने की वजह से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की स्थिति बार-बार निर्मित हो रही है। जल निगम को संबंधित विभाग को नक्शा और प्लान साझा करने के निर्देश दिए। उन्होने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पाइपलाइन डालने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़को की मरम्मत करवाई जाये। साथ ही वाटर बाडी डैम, तालाब से कम से कम 20 से 25 मीटर की दूरी से पाइपलाइन डाली जाए। बैठक में जल जीवन निगम, बीएसएनएल, पीडब्ल्यूडी, जिला पंचायत, एनएचआई, एमपीआरडीसी एवं एल एंड टी कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

उचित मूल्य पर पाठ्य सामग्री और गणवेश उपलब्ध कराने लगेगा तीन दिवसीय मेला

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित ने बताया कि नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में छात्रों एवं अभिभावकों को उचित मूल्य पर पाठ्य सामग्री और गणवेश उपलब्ध कराने विकासखंड स्तर पर तीन दिवसीय मेला लगाया जा रहा है। सतना में यह पुस्तक एवं गणवेश मेला 18 से 20 जून तक शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यकंट क्रमांक-1 सतना में तीन दिनों तक चलेगा। मेले में कॉपी, किताब, यूनिफार्म, जूते, टाई और अन्य सभी शैक्षणिक सामग्रियों की उपलब्धता रहेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सतना और मैहर जिले के सभी जनपद शिक्षा केंद्र के समस्त विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को जनपद स्तरीय मेले के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित तिथि में पुस्तक एवं गणवेश मेला आयोजित कराना सुनिश्चित करें। मेले में पुस्तकों के प्रकाशकों, स्थानीय पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेताओं, सह शैक्षणिक सामग्री तथा यूनिफॉर्म विक्रेताओं को भी आमंत्रित किया जाये। मेले की सूचना से अभिभावकों और छात्रों को सूचित किया जाये।

केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री आज मझगवां आयेंगे

सतना। केंद्र सरकार में विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु मामलों के राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह 18 जून को एक दिवसीय प्रवास पर मझगवां (सतना) आयेंगे। राज्यमंत्री सिंह यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को ट्रांसफर की जाने वाली किसान सम्मान निधि के किश्त वितरण के कार्यक्र म में शामिल होंगे।

सतना के खिलाड़ियों ने जीते मेडल

राज्यस्तरीय वुशू प्रतियोगिता में गोल्डन गर्ल अस्मि ने सोना जीता,ननेशनल के लिए हुई सेलेक्ट

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मप्र वुशू संघ के तत्वावाधान में 25 वीं राज्यस्तरीय वुशू प्रतियोगिता का आयोजन सतना के गौशाला चौक स्थित मारवाड़ी सेवा सदन में किया गया।विजिला ताईक्वांडो संघ के सचिव डा संदीप भारती ने बताया कि 14 से 16 जून तक चली इस स्पर्धा में सतना मार्शल आर्ट के ताईक्वांडो के 03 खिलाड़ियों ने पहली बार वूशु प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर अस्मि भारती ने 56 किलो से कम वजन में गोल्ड जीता वही अमन सिंह और ध्रुव अहिरवार ने सिल्वर और ब्रांज मैडल पर कब्जा जमाया। गोल्डन गर्ल अस्मि भारती का चयन कोयंबटूर में आयोजित होने वाली 23वीं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है।

बता दें कि अस्मि भारती जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव डॉ. संदीप भारती की पुत्री हैं। खिलाड़ियों की इस सफलता पर संरक्षक, शम्मी पुरी, पुष्पराज सिंह गुन्ना , अमित सोनी, जितेंद्र सिंह, सुदीप निगम, आदित्य सिंह बघेल, समर सिंह बघेल,आशुतोष पयासी, ऋचा भारती, रवि पाल, अनुज दहायत,डा अनुराग पयासी, डॉ अमित पांडे, शांतिभूषन सोनी व समस्त पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त की है। आयोजन में एमपी वूशु संघ की सचिव सचिव सारिका गुप्ता व जिला वूशु संघ के सचिव शैलेंद्र शर्मा ने सहयोग प्रदान किया।

पेंशन प्रकरण 30 जून तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश देते हुए कहा है कि 31 मई तक सेवानिवृत्त हुए सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण तत्काल प्रस्तुत करें। आवश्यक अभिलेखों के साथ पेंशन प्रकरण 30 जून तक संभागीय पेंशन कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। पूर्व से दर्ज पेंशन प्रकरणों में यदि किसी तरह की कमी है तो उसकी भी एक सप्ताह में पूर्ति कराकर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर पेंशन प्रकरणों के निराकरण की टीएल बैठक में समीक्षा करें। कार्यालयों के निरीक्षण के समय भी लंबित पेंशन प्रकरणों की जानकारी लें। यदि किसी कार्यालय में बिना उचित कारण के पेंशन प्रकरण लंबित पाया गया तो संबंधित कार्यालय प्रमुख और पेंशन शाखा के लिपिक के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।